राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 213 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,24 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

गणतंत्र दिवसः नौसेना की झांकी में कराची बंदरगाह पर हमले का चित्रण

'स्वर्णिम विजय वर्ष' भी मना रही नेवी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस परेड के दौरान नौसेना की झांकी वर्ष के लिए नौसेना की विषयवस्तु के साथ पंक्तिबद्ध की जाती है। इस वर्ष झांकी का विषय 'भारतीय नौसेना- युद्ध तत्पर, विश्वसनीय और सुगठित' है। राष्ट्र 1971 के युद्ध की स्वर्ण जयंती को 'स्वर्णिम विजय वर्ष' के रूप में भी मना रहा है। भारतीय नौसेना ने 1971 के युद्ध में अपनी युद्ध कुशलता को साबित करने के लिए एक विश्वसनीय शक्ति के रूप में अपनी क्षमता साबित की। इसलिए इस साल की झांकी का उद्देश्य 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान एक विश्वसनीय बल के रूप में नौसेना की शानदार भूमिका को प्रदर्शित करना है। नौसेना की झांकी के अग्रभाग में मिसाइल बोट्स द्वारा कराची बंदरगाह पर हमले को प्रदर्शित किया गया है। ये हमले 03/04 दिसंबर 1971 की रात को

भारतीय नौसेना ने 1971 के युद्ध में अपनी युद्ध कुशलता को साबित करने के लिए एक विश्वसनीय शक्ति के रूप में अपनी क्षमता साबित की। इसलिए इस साल की झांकी का उद्देश्य 1971 भारत-पाक युद्ध के दौरान एक विश्वसनीय बल के रूप में नौसेना की शानदार भूमिका को प्रदर्शित करना है। नौसेना की झांकी के अग्रभाग में मिसाइल बोट्स द्वारा कराची बंदरगाह पर हमले को प्रदर्शित किया गया है।

ऑपरेशन ट्राइडेंट और 08/09 दिसंबर की रात को ऑपरेशन पायथोन के हिस्से के रूप में किए गए। झांकी में मिसाइल बोट दागने और दोनों अभियानों के दौरान हमलावर यूनिटों द्वारा उठाए गए मार्ग को झांकी के किनारों पर ट्रैक चार्ट के रूप में भी दर्शाया गया है। झांकी के पिछले हिस्से में नौसेना के विमानवाहक पोत 'आईएनएस विक्रांत' को समुद्री हॉक और एलाइज एयरक्राफ्ट के साथ फ्लाइंग ऑपरेशन का संचालन करते हुए दिखाया गया है। विक्रांत द्वारा किए गए हवाई अभियानों से पूर्वी पाकिस्तान के जहाजों और तटीय प्रतिष्ठानों को खासी क्षति हुई और इसने बांग्लादेश की मुक्ति के कार्य में काफी योगदान दिया। झांकी में नौसैना के आठ महावीर चक्र पुरस्कार हासिल करने वाले नौसैनिकों की तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया है, जिनमें से एक मरणोपरांत था। ट्रेलर के किनारों पर युद्ध में भाग लेने वाले विभिन्न पोतों, मुक्ति वाहिनी और ढाका में आत्मसमर्पण समारोह के साथ नौसेना द्वारा किए गए कमांडो अभियान (ऑपरेशन एक्स) को दर्शाते हुए भित्ति चित्र हैं।

JDU नेता ने आखिर लालू यादव के बेटे तेजप्रताप के लिए क्यों कहा- पता नहीं जी कौन सा नशा करता है...?

पटना। बिहार में सोशल मीडिया को लेकर एक नया फरमान जारी हुआ है। सोशल मीडिया पर मंत्री, सांसद, विधायक, अधिकारी और कर्मचारी के साथ किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ अनाप-शनाप टिप्पणी पर अब कानूनी कार्रवाई होगी। इसको लेकर विवाद बढ़ गया है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी जारी है। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और हसनपुर से आरजेडी विधायक तेजप्रताप यादव ने नीतीश सरकार पर हमला करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने अपने चिरपरिचित अंदाज में लिखा, पलटूराम को पलटूराम कहना भी अपराध के श्रेणी में आएगा..? राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे की यह बात जेडीयू नेता को नागवार गुजरी। उन्होंने ट्विटर पर ही इसका कुछ अलग अंदाज में जवाब दिया। बीते विधानसभा चुनाव में मधेपुरा से जेडीयू के उम्मीदवार रहे निखिल मंडल ने तेजप्रताप यादव के ट्वीट के रिट्वीट करते हुए लिखा, पता नहीं जी कौन सा नशा करता है...? आपको बता दें कि यह गाना इन दिनों काफी वायरल हो रहा है। लोग इसे पसंद कर रहे हैं। आपको बता दें कि 2015 में आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले नीतीश कुमार ने कुछ ही साल बाद महागठबंधन से अपनी राह अलग कर ली। इसके बाद से लालू यादव के दोनों बेटे और उनकी पार्टी के नेता नीतीश कुमार के लिए 'पलटूराम' जैसे शब्द का इस्तेमाल करते हैं। बिहार में जारी हुए सरकारी फरमान को लेकर आरजेडी तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा है। उन्होंने कहा बिहार लोकतंत्र की जननी है और यहां पर ऐसा आदेश जारी हुआ है। उन्होंने सीएम को चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो मुझे गिरफ्तार करें। शुक्रवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी यह भूल गए हैं कि बिहार लोकतंत्र की जननी है। लोगों को संविधान की तरफ से अभिव्यक्ति की आजादी मिली हुई है।

पराक्रम दिवस पर पीएम मोदी और अमित शाह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को किया नमन

नई दिल्ली। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको नमन किया। पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि राष्ट्र देश की आजाद करवाने के लिए उनके त्याग को हमेशा याद रखेगा। बता दें कि आज पराक्रम दिवस के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी एक समारोह को संबोधित करने कोलकाता जाएंगे। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत माता के सच्चे सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी जन्म-जयंती पर शत-शत नमन। कृतज्ञ राष्ट्र देश की आज़ादी के लिए उनके त्याग और समर्पण को सदा याद रखेगा।' महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत माता के सच्चे सपूत नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी जन्म-जयंती पर शत-शत नमन। कृतज्ञ राष्ट्र देश की आजादी के लिए उनके त्याग और समर्पण को सदा याद रखेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने भी नेताजी की जयंती के मौके पर ट्वीट कर नमन किया। उन्होंने ट्वीट में लिखा, 'सम्पूर्ण राष्ट्र नेताजी के पराक्रम और अविरल संघर्ष के लिए सदैव ऋणी रहेगा। उनकी जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने उन्हें एक अभूतपूर्व श्रद्धांजलि दी है। समस्त देशवासियों को पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं देता हूं।'

सिंघू बॉर्डर पर धरा गया संदिग्ध, 4 किसान नेताओं को गोली मारने की थी साजिश!

नई दिल्ली। सिंघू बॉर्डर पर मौजूद किसानों ने एक संदिग्ध पकड़ा जिसने बताया कि वह कथित तौर पर चार किसान नेताओं को गोली मारने के इरादे से वहां पहुंचा था और उसका मकसद 26 जनवरी को प्रस्तावित किसानों के ट्रैक्टर मार्च में अड़चन पैदा करना भी थी। इस लोगों की टीम थी जिसमें से हालांकि, बाद में संदिग्ध को पुलि दिया गया। किसान नेता कुलवंत सि पर की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया आंदोलन में बाधा डालने की कोशि है। उन्होंने आगे कहा कि मास्क और उसके सहयोगियों को धमक अगर उन्होंने कुछ भी जानकारी परिवारवालों को मार दिया जाएगा। करते हुए इस संदिग्ध आदमी ने जनवरी को किसानों को ट्रैक्टर रैल बढ़ने से रोकने की योजना बनाई थी और अगर व नहीं रुकते तो हम पहले हवा में फायरिंग करते और हमारे दूसरे सहयोगी पीछे से गोली चलाते ताकि वहां मौजूद पुलिस वालों को यह लगता कि उनपर किसान गोली चला रहे हैं। हम 10 लोगों की टीम थे, जिनमें से 2 महिलाएं हैं। इसके बाद संदिग्ध ने

हजार रुपय दिए गए थे।

बंगाल-असम सहित 5 राज्यों में प्रदर्शन को नए अध्यक्ष से नहीं जोड़ना चाहती कांग्रेस, पार्टी में नाराजगी भी जारी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव को फिलहाल टाल दिया है। पार्टी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करेगी। इस फैसले से साफ है कि जहां कांग्रेस में अभी सबकुछ ठीक नहीं है, वहीं पार्टी को पांच राज्यों के चुनावों से भी ज्यादा उम्मीद नहीं है। ऐसे में पार्टी नहीं चाहती कि हार को नए अध्यक्ष के प्रदर्शन से जोड़ा जाए। पार्टी में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले नेताओं की नाराजगी अभी बरकरार है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में जिस तरह इन नेताओं ने संगठन चुनाव की वकालत की, उससे साफ है कि वह अपनी मांग पर बरकरार है। हालांकि, पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 19 दिसंबर को पत्र लिखने वाले नेताओं के साथ बैठक कर

नाराजगी दूर करने की कोशिश की थी। पर बाद में वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने अपनी मांग दोहराई थी। इसके अलावा पार्टी के सामने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में प्रदर्शन की भी चुनौती है। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में कुछ माह बाद चुनाव है। इनमें से किसी भी राज्यों में पार्टी की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। ऐसे में पार्टी रणनीतिकारों ने चुनाव टालना बेहतर समझा। क्योंकि, पार्टी प्रदर्शन को नए अध्यक्ष से जोड़कर देखा जाता। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में कांग्रेस की हिस्सेदारी बहुत कम है। पर असम, केरल और पुडुचेरी में कांग्रेस पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव है। पुडुचेरी में कांग्रेस सरकार में है, पर डीएमके के अलग चुनाव लड़ने से स्थिति बिगड़ सकती है। केरल में भी पार्टी की स्थिति बहुत मजबूत नहीं है। ऐसे में एलडीएफ को लाभ मिल सकता है। असम में कांग्रेस ने पांच पार्टियों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पर भाजपा के आक्रामक प्रचार और पार्टी में गुटबाजी की वजह से चुनावी नुकसान हो सकता है। ऐसे में इन राज्यों में पार्टी के प्रदर्शन को नए अध्यक्ष के प्रदर्शन से जोड़कर देखा जाता। इसलिए, पार्टी ने इससे बचने की कोशिश की है। वहीं, असंतुष्टों को मनाने का वक्त मिल गया है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी लगातार कहती रही है वह सभी को साथ लेकर चलना चाहती है। ऐसे में सोनिया गांधी एक बार फिर असंतुष्ट नेताओं के साथ चर्चा कर सकती हैं।

BJP विधायक को जेडीयू MLA से जान का खतरा, सुरक्षा को लेकर आईजी से लगाई गुहार, जांच के आदेश

भागलपुर । बिहार के भागलपुर जिले के बिहपुर विधायक इंजीनियर शैलेंद्र ने गोपालपुर विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल से जान-माल का खतरा होने की शिकायत करते हुए पुलिस मुख्यालय से सुरक्षा मुहैया कराने का आग्रह किया है। इसे लेकर उन्होंने पुलिस मुख्यालय में आईजी (सुरक्षा) को पत्र लिखा है। उनके पत्र पर पुलिस मुख्यालय से डीआईजी (सुरक्षा) ने भागलपुर डीआईजी से जांच कर उचित कार्रवाई को कहा है। भागलपुर डीआईजी ने नवगछिया एसपी से मामले की जांच कर बिहपुर विधायक की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि पिछले दिनों बिहपुर और गोपालपुर विधायक के बीच बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ था। पुलिस मुख्यालय को भेजे पत्र में इंजीनियर शैलेंद्र ने लिखा है कि गोपालपुर विधायक आपराधिक घटनाओं में शामिल रहे हैं। उनपर गोपालपुर और बरारी थाना में घर में घुसकर गाली-गलौज करने और सरकारी कार्य में बांधा उत्पन्न करने का केस दर्ज है। उन्होंने लिखा है कि गोपालपुर विधायक ने कॉल कर उन्हें धमकी दी कि वह बिहपुर विधानसभा क्षेत्र तक ही सीमित रहें और गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र में जो भाजपा का कार्यलय है, वहां प्रवेश नहीं करें। बिहपुर विधायक का कहना है कि वह अपनी पार्टी के प्रचार-प्रसार के लिए कहीं भी जा सकते हैं पर गोपालपुर विधायक ने उन्हें अपने क्षेत्र में नहीं आने की धमकी दी जो उनके बढ़े मनोबल का परिचायक है।

21 दिसंबर को हुई बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद चर्चा में आया मामला

बिहपुर विधायक इंजीनियर शैलेंद्र और गोपालपुर विधायक गोपाल मंडल के बीच 21 दिसंबर को बातचीत हुई थी। गोपाल मंडल ने ही इंजीनियर को कॉल किया था। उस बातचीत का ऑडियो वायरल हो गया।

महबूबा मुफ्ती का बीजेपी पर हमला, कहा- जम्मू कश्मीर को 'राजनीतिक प्रयोगशाला' समझ रही भाजपा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर 'संविधान की धज्जियां उड़ाने' का आरोप लगाया है और साथ ही कहा है कि भाजपा जम्मू-कश्मीर को 'राजनीतिक प्रयोगशाला' की तरह देखती है। मुफ्ती ने कहा है कि मुफ्ती भाजपा को फिर कभी अपना सहयोगी नहीं बनाएंगी यानी उसके साथ कभी गठबंधन नही करेंगी। मुफ्ती ने स्वीकार किया कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी और भाजपा के बीच गठबंधन करना उनके पिता का विचार था। वो कहती हैं, भाजपा के साथ जुड़ना मेरे पिता (मुफ्ती मोहम्मद सईद) के लिए एक बड़ा कारण था, और मैंने इसका सम्मान किया। मुफ्ती ने एक

दुर्भाग्य से, जम्मू कश्मीर एक राजनीतिक प्रयोगात्मक प्रयोगशाला बन गई। जून 2018 में दोनों दलों के बीच गठबंधन टूट गया था।

इंटरव्यू में बताया कि यह अब चीजें ऐसी नहीं है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि गठबंधन को लेकर उन्हें गलतफहमी थी। उन्होंने कहा, मेरे पिता की न केवल जम्मू कश्मीर बल्कि देश के लिए भी राजनीतिक दृष्टि थी। उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन करते हुए, अपनी विश्वसनीयता सहित, सब कुछ दांव पर लगा दिया, केवल इस इरादे से कि हमारे पास पहले से ही क्या है - हमारी विशेष स्थिति - और कश्मीर समस्या का शांतिपूर्ण और गरिमापूर्ण समाधान खोजने के लिए ... मैं भाजपा की बहुत बड़ी प्रशंसक न होने के बावजूद भी उनके निर्णय से दूर नहीं जा सकती थी भाजपा पर चुनावी लाभ के चश्मे से सब कुछ देखने का आरोप लगाते हुए, उन्होंने कहा कि पार्टी के पास दृष्टि की कमी है और निर्णय लेने की भी. देश का निर्माण करने के लिए संकल्प लेना चाहिए। इसके बजाय, उसने भारत को अल्पसंख्यकों के लिए विभाजन, कट्टरता और घृणा में डूबी एक अंधेरे रास्ते पर ले जाने के लिए चुना है। दुर्भाग्य से, जम्मू कश्मीर एक राजनीतिक प्रयोगात्मक प्रयोगशाला बन गई। जून 2018 में दोनों दलों के बीच गठबंधन टूट गया था। जिसके बाद से जम्मू कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, अगस्त 2019 तक जब संसद ने कानून और प्रस्तावों को पारित करके इस क्षेत्र की विशेष स्थिति को समाप्त किया और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया। महबूबा मुफ्ती खुद 5 अगस्त, 2019 से 13 अक्टूबर, 2020 के बीच करीब 14 महीने तक हिरासत में रहीं।

LAC पर भारतीय सेना की जासूसी कर रहा है चीन

खुफिया एजेंसी ने भेजा अलर्ट मैसेज

नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर लद्दाख, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में जानकारी प्राप्त करने के प्रयास में चीन की हरकतों का पता चला है। अपरिभाषित सीमा पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के इंटेलिजेंस द्वारा भारतीय सेना की आवाजाही और सीमा पर जारी निर्माण कार्य की जानकारी इकट्ठा करने की कोशशि की जा रही है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी इस मामले पर कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं। आपको बता दें कि भारतीय खुफिया एजेंसी कराकोरम के पास दौलत बेग ओल्डी (डीबीओ), पैंगोंग त्सो नदी के किनारे, सिक्किम और अरुणाचल में एलएसी के पास हर तरह की गतिविधियों को इकट्ठा करने में सक्षम है। चीनी कोशिशों की जानकारी सेना के टॉप लीडरशिप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े तमाम आला-अधिकारियों तक पहुंचा दी गई है। भारतीय और चीनी सैनिक पिछले आठ महीनों से पूर्वी लद्दाख में ग्रष्ट के पास आमने-सामने हैं। दोनों देशों के बीच गतिरोध ठंड के महीने में भी जारी है। दोनों पक्षों के बीच आठ दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन सीमा पर तनाव कम करने की सारी कोशिशें नाकाम साबित हुई हैं। पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग त्सो के दक्षिण में 8 जनवरी को सुबह-सुबह एक अज्ञात चीनी सैनिक की गिरफ्तारी उस समय की गई, जब तकनीकी साधनों के माध्यम से बॉर्डर को ट्रैक किया जा रहा था। खुफिया एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि यह पीएलए सैनिक के

द्वारा की गई कोई पहली कोशिश नहीं थी। पीएलए की एक आधिकारिक वेबसाइट ने दावा किया था, अंधेरे और जटिल भौगोलिक परिस्थिति के कारण पीएलए रक्षा बल का एक सिपाही शुक्रवार (8 जनवरी) सुबह-सुबह सीमा पर भटक गया। आपको बता दें कि भारतीय सेना ने 11 जनवरी को उसे चुशुल मोल्दो प्वाइंट पर चीन को सौंप दिया था। इसी तरह, पीएलए कॉर्पोरल वांग हां लॉन्ग को भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख के डेमचोक सेक्टर में 19 अक्टूबर को पकड़ा था और 21 अक्टूबर को चीन को वापस सौंप दिया था। पकड़े गए कॉर्पोरल ने दावा किया कि वह स्थानीय चरवाहों के खोए हुए याक का पता लगाने में मदद करने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, पीएलए के द्वारा लगातार इन घटनाओं को खारिज करने के प्रयास किए गए हैं। साथ ही पूर्वी लद्दाख में गतिरोध वाले जगहों से पीछे हटने के लिए प्रतिबद्धता की बात कही जाती रही है। वहीं दूसरी तरफ, भारतीय खुफिया एजेंसियां को प्राप्त जानकारी, जिनमें ??संवेदनशील पूर्वी लद्दाख और सिक्किम में चीन की हरकतें की बात सामने आ रही है, चिंता बढ़ाने वाली है। उदाहरण के लिए, पूर्वी लद्दाख में डीबीओ सेक्टर, पैंगोंग त्सो, चीनी कब्जे वाली अक्साई चिन के खुरनाक किले के साथ-साथ चुम्बी घाटी में और अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर चीनी सैनिकों के गतिविधियों के कई सबूत मिले हैं। नई सड़कें, अस्थायी आश्रय और कुछ समय के लिए स्थायी बस्तियों के निर्माण एलएसी के पार मजबूत चीनी गतिविधि दिखाती है।

सीक्रेट सर्विस प्रोटेक्शनः ट्रम्प के चार बच्चों और तीन अफसरों की सिक्योरिटी 6 महीने बढ़ी

पूर्व राष्ट्रपति और पत्नी मेलानिया को आजीवन सुरक्षा मिलेगी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चार बच्चों का सिक्योरिटी कवर 6 महीने बढ़ा दिया है। इनके साथ ही उनके करीबी चार अहम अफसरों को भी अब 6 महीने और सीक्रेट सर्विस प्रोटेक्शन कवर मिलता रहेगा। हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि यह फैसला ट्रम्प ने व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले खुद किया था या बाइडेन ने राष्ट्रपति बनने के बाद यह निर्णय लिया। नियमों के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को ताउम्र सुरक्षा मिलती रहेगी।

तीन अफसर जिनका सिक्योरिटी कवर जारी रहेगा

abcnews की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प के चार बालिग बच्चों के अलावा व्हाइट हाउस के तीन पूर्व अफसरों की सुरक्षा 6 महीने बढ़ा दी गई है। ये तीन अफसर हैं- चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मेडोज, पूर्व छ्ह्र रॉबर्ट ओ'ब्रायन और ट्रेजरी सेक्रेटरी स्टीव म्युचिन। नियम के मुताबिक, कार्यकाल खत्म होने के बाद किसी अफसर को सीक्रेट सर्विस का प्रोटेक्शन कवर नहीं मिलता।

फैसला किसने लिया, यह साफ नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक यह साफ नहीं है कि सिक्योरिटी की मियाद 6 महीने बढ़ाने का फैसला खुद ट्रम्प लेकर गए या नई एडमिनिस्ट्रेशन ने यह फैसला किया। सीक्रेट सर्विस के एक प्रवक्ता ने कहा- आमतौर पर एजेंसी इस बारे में खुद फैसला नहीं लेती। नियमों के मुताबिक- पूर्व राष्ट्रपति के नाबालिग बच्चों के सिक्योरिटी कवर को बढ़ाया जाता रहा है लेकिन, बालिगों के साथ ऐसा नहीं होता। पूर्व राष्ट्रपति और पत्नी को तो आजीवन सुरक्षा मिलती ही है।

मेलानिया के बेटे को 2 साल और मिलेगी सुरक्षा

ट्रम्प और मेलानिया के बेटे बेरॉन की उम्र फिलहाल 14 साल है। नियम के मुताबिक, उन्हें 16 साल की उम्र तक सिक्योरिटी कवर मिलता रहेगा। सीक्रेट सर्विस एजेंट डॉन मिहैक कहते हैं- आमतौर पर सुरक्षा की अवधि खतरा देखकर तय की जाती है। वे लाइमलाइट से भी दूर हो जाते हैं।

ट्रम्प टॉवर के ऊपर से उड़ान भरने का प्रतिबंध हटा लिया गया है। मेलानिया और बेरॉन अकसर यहां आते हैं। हालांकि, अब उनका परिवार अब न्यूयॉर्क के ट्रम्प टॉवर में नहीं रहता। यह परिवार अब फ्लोरिडा के अपने रिजॉर्ट मार-ए-लेगो में शिफ्ट हो गया है।

भूकंप के झटकों से थरथरा फिलीपींस

फिलीपींस । फिलीपींस में बहुत तेज भूकंप के झटके को महसूस किया गया है। भूकंप के बाद पूरा देश दहल गया। फिलीपींस में आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.0 मापी गई। वहीं इसका केंद्र फिलीपींस से 210 किमी दूर पोंगडूइटान में रहा। धरती के इतनी तेज थर्राने के बाद लोग सहम गए। अपने अपने घरों और बिल्डिंग से निकल कर भागने लगे।

फिलीपींस में बहुत तेज भूकंप के झटके

दरअसल, कोरोना संकट के बीच अब तक भयानक भूकंप के झटकों से लगातार दुनिया के अलग अलग देश बावस्ता हो रहे है। इसी कड़ी में आज उस समय हड़कंप मच गया, जब फिलीपींस में भूकंप आया। खतरे की बात ये रही कि इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर

पैमाने पर 7.0 मॉपी गयी। भूकंप का केंद्र फिलीपींस से 210 किमी दूर पोंगडूइटान में रहा।भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.0 मापी

भूकंप के बाद अफरातफरी मच गई। लोग अपने घरों से निकलकर भागने लगे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप की थरथराहट काफी ज्यादा थी, लेकिन अब तक किसी के हताहत और नुकसान की सूचना नहीं है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार, क्षेत्र में सुनामी का भी कोई खतरा नहीं है।

सुनामी का खतरा नहीं

बता दें कि यूरोपीय भूमध्य भूकंपीय केंद्र ने जानकारी दी कि भूकंप 122 किमी की गहराई पर समुद्र में आया। इसने शुरुआत में 7.2 की तीव्रता बताई थी। यह क्षेत्र भूकंप प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। यहां सुनामी आने का भी खतरा रहता है।

इमरान की मुश्किलःअगले महीने एफएटीएफ में ब्लैक लिस्ट हो सकता है पाकिस्तान

आतंकी संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई न करने का आरोप

वाशिंगटन। इमरान सरकार की मुश्किलों में फिर इजाफा होने जा रहा है। अगले महीने होने जा रही फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की मीटिंग में भी पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट से निकलने की कोई उम्मीद नहीं है। इसकी वजह यह है कि इमरान खान सरकार अब भी हाफिज सईद के जमात-उद-दावा और जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट के जरिए सामने आई है।

फिलहाल ग्रे लिस्ट में

पाकिस्तान तीन साल से ग्रे लिस्ट में है। 2018 में उसे इस लिस्ट में रखा गया था। स्नञ्जस्न ने पिछले साल उसे 23 पॉइंट का एक प्रोग्राम सौंपा था। संगठन ने कहा था कि न सिर्फ इन शर्तों को पूरा करना है बल्कि, इसके पुख्ता सबूत भी देने होंगे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान सरकार की कार्रवाई से स्नञ्जस्न संतुष्ट नहीं है। बहुत मुमकिन है कि उसे ब्लैक लिस्ट किया जाए या आखिरी चेतावनी के तौर पर ग्रे लिस्ट में ही रखा जाए।

आतंकी संगठनों को अब भी फंडिंग

रिपोर्ट के मुताबिक, FATF के पास इस बात की जानकारी है कि पाकिस्तान सरकार ने अब तक जेयूडी और जैश के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की है। ये दोनों ही संगठन पाकिस्तान की जमीन से बेखौफ काम कर रहे हैं। अमेरिका ने भी पिछले दिनों कहा था कि

पाकिस्तान को आतंकी संगठनों की पनाहगाह के तौर पर इस्तेमाल होने से रोकना होगा। अमेरिका के लिए अफगानिस्तान में दिक्कतें पाकिस्तान की वजह से ही बढ़ रही हैं।

चेतावनी भी दी थी

FATF के प्रेसिडेंट मार्कस प्लीयर ने अक्टूबर की रिव्यू मीटिंग में कहा था- पाकिस्तान की कार्रवाई में बेहद गंभीर खामियां सामने आई हैं। हम उसे एक मौका और दे रहे हैं। इस बारे में फरवरी में विचार किया जाएगा। हम चाहते हैं कि कार्रवाई से पहले वहां की सरकार को एक मौका और दिया जाए। इसके बाद तय किया जाएगा कि क्या एक्शन लिया जाए। हम हमेशा राहत नहीं दे सकते।

रिपोर्ट के मुताबिक, FATF के पास कुछ इंटेलिजेंस वीडियो फुटेज मौजूद हैं, इनसे पता लगता है कि जमात और जैश के आतंकी सरगना अब भी खुलेआम काम कर रहे हैं। एक वीडियो अक्टूबर 2020 का है।

फंस जाएंगे इमरान

अगर अगले महीने पाकिस्तान ग्रे लिस्ट में ही रहता या ब्लैक लिस्ट होता है तो दोनों हालात में इमरान खान मुश्किल में आ जाएंगे। खस्ता हाल अर्थव्यवस्था को उनकी सरकार ठीक नहीं कर पाएगी और दुनिया का कोई भी संगठन उन्हें आर्थिक मदद नहीं दे सकेगा। घरेलू मोर्चे पर विपक्ष को उन्हें घेरने का एक मौका और मिल जाएगा। वे पहले ही काफी दबाव में हैं और विपक्ष का आरोप है कि सिर्फ सेना की मदद की वजह से वे सरकार चला रहे हैं।

भारत ने यूएन में उठाया खैबर पख्तूनख्वा में मंदिर तोड़े जाने का मुद्दा, पाकिस्तान की लगाई लताड़

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान में एक हिंदू मंदिर को कट्टरपंथियों के तोड़ने के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को लताड़ लगाई है। भारत ने कहा कि शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से पाकिस्तान जुड़ा हुआ है। इसके बावजूद भीड़ ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक ऐतिहासिक मंदिर में तोड़फोड़ की और पाकिस्तानी सरकार मूकदर्शक बनी रही। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि इस प्रस्ताव का इस्तेमाल पाकिस्तान जैसे देशों के लिए छिपने या गुमराह करने के लिए नहीं किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए शांति और सहिष्णुता की संस्कृति को बढ़ावा देने पर एक प्रस्ताव को अपनाया। पृ ने मानव अधिकारों के सम्मान और धर्मों और मान्यताओं की विविधता के आधार पर सभी स्तरों पर सहिष्णुता और शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत करने का आह्वान किया। त्रिमूर्ति ने कहा कि यह बहुत विडंबना की बात है कि हाल ही में जिस देश में हिंदू मंदिरों पर हमला और विध्वंस हुआ और जहां अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन हो रहा है, वह शांति की संस्कृति के प्रस्ताव से जुड़ा हुआ है। दिसंबर 2020 में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक शहर में एक हिंदू मंदिर को तोड़ने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के करक शहर में एक ऐतिहासिक हिंदू मंदिर पर एक भीड़ द्वारा हमला किया गया था। इस दौरान कानूनी एजेंसियां मूकदर्शक बनी रहीं, जब ऐतिहासिक मंदिर में तोड़फोड़ की जा रही थी।भारत ने कहा कि दुनिया में आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद, कट्टरता और असहिष्णुता बढ़ रही है। धार्मिक स्थल और सांस्कृतिक विरासत स्थलों को आतंकवादी कृत्यों से खतरा पैदा हो गया है। इसके अलावा, तिरुमूर्ति ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हुई ऐसी घटनाओं का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारत सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को बहुत महत्व देता है।

घुसपैठ पर बोला चीनः अरुणाचल में गांव बसाने पर दी प्रतिक्रिया, कहा यह हमारा क्षेत्र

बीजिंग। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जारी तनाव के बीच चीन ने अपनी विस्तारवादी नीति के तहत भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा के अंदर गांव बसा लिया है। यह गांव अरुणाचल में वास्तविक भारतीय सीमा के करीब 4.5 किमी अंदर स्थित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने इस गांव में करीब 101 घर बनाए हैं। चीन द्वारा इस गांव को त्सारी चू गांव के अंदर बसाया गया है, जो कि अरुणाचल के ऊपरी सुबनसिरी जिले में स्थित है।

चीन ने गांव के निर्माण पर कही ये बात

हालांकि भारत में इस तरह गांव बसाने को लेकर उसकी आलोचना की जा रही है। इस बीच चीन के विदेश मंत्रालय ने इस मामले में गुरुवार को एक बयान में इस निर्माण को सामान्य बताया है। मंत्रालय का कहना है कि 'अपने खुद के क्षेत्र में' चीन की विकास और निर्माण गतिविधियां सामान्य और दोषारोपण से परे हैं। आपको बता दें कि पाकिस्तान की तरह चीन भारत के कई क्षेत्रों पर अपना अधिकार जताता आया है।

चीन की स्थिति स्पष्ट और स्थिर

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा कि जंगनान क्षेत्र (दक्षिण तिब्बत) पर चीन की स्थिति स्पष्ट और स्थिर है। हमने कभी भी तथाकथित अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी है। बता दें कि चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है, जबकि भारत ने हमेशा स्पष्ट तौर पर कहता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश उसका अभिन्न और अखंड हिस्सा है।

पार्टी ऑल नाइटः पूरी रात वुहान के क्लब में धूम-धड़ाका, महामारी से निकल रही जिंदगी

वुहान। चीन के वुहान में जिंदगी वापस पटरी पर लौट रही है। 'मंकी क्लब' की पिछली रात इसका गवाह है। दरअसल, रात यहां के क्लब में लोगों ने पार्टी की। 2019 के अंत में चीन के वुहान से ही कोरोना वायरस संक्रमण की शुरुआत हुई थी और 2-3 माह के भीतर ही इसने पूरी दुनिया को चपेट में ले लिया। 11 मार्च 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया। हालांकि इस महामारी की समस्या से निजात पाने के लिए वैक्सीन विकसित हो चुकी है और कई देशों में वैक्सीनेशन प्रोग्राम शुरू हो गया है।

भारत-अमेरिका के संबंध और होंगे मजबूत, व्हाइट हाउस का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका में जो बाइडन ने नए राष्ट्रपति और कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति का कार्यभार संभाल लिया है।भारत समेत दुनिया के हर देश ने उनको बधाई दी है। भारत और अमेरिका के बीच संबंध और मजबूत होंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय सफल संबंधों का सम्मान करते हैं । बता दें कि बाइडन ने बुधवार को अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।उन्होंने कहा कि भारतीय मूल की कमला हैरिस के उपराष्ट्रपति बनने से यह संबंध और मजबूत होगा। बाइडन ने उनका (हैरिस का) चुनाव किया है और वह पहली भारतवंशी हैं जो अमेरिका की उपराष्ट्रपति बनी हैं। निश्चित रूप से यह इस देश में हम सभी के लिए न सिर्फ एक ऐतिहासिक लम्हा है बल्कि इससे हमारे रिश्ते भी और प्रगाढ़ होंगे।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन

बाइडन प्रशासन में भारत-अमेरिका संबंध पर कहा, ''राष्ट्रपति बाइडन कई बार भारत की यात्रा कर चुके हैं।वह भारत और अमेरिका में नेताओं के बीच लंबे समय से चले आ रहे सफल द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं, उसका महत्व समझते हैं।

बाइडन प्रशासन इसे आगे बढ़ाने की दिशा में आशान्वित है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि यह विधेयक अमेरिका की अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा और यह सुनिश्चित

करेगा कि प्रत्येक कर्मचारी सुरक्षित हो। यह विधेयक अप्रवासी पड़ोसियों, सहकर्मियों, सहयोगियों, समुदाय के नेताओं, दोस्तों, और प्रियजनों के लिए नागरिकता के लिए एक मार्ग बनाता है।

आव्रजन विधेयक

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पद भार संभालने के बाद पहले दिन कांग्रेस को एक समग्र आव्रजन विधेयक भेजा। इस विधेयक में आव्रजन से जुड़ी व्यवस्था में प्रमुख संशोधन किये जाने का प्रस्ताव है। यूएस सिटीजनशिप एक्ट ऑफ 2021' में आव्रजन प्रणाली को उदार बनाया गया है।

यूक्रेन में दर्दनाक हादसाः अस्पताल में भयानक आग से 15 की मौत

खारकिव। यूक्रेन से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां खारकिव में एक निजी नर्सिंग होम में भयानक आग लगई। इस आग में 15 लोगों की मौत हो गई, तो 11 घायल हो गये है। वहां अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है। दो मंजिला अस्पताल में आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, खारकिव पुलिस ने बताया कि नर्सिंग होम के मालिक और कर्मचारियों से पूछताछ हो रही है।

राष्ट्रपति ने बताया भयानक त्रासदी

अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक, इस दर्दनाक घटना में 15 लोगों की मौत हो गई है, तो वहीं करीब 11 लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर ज़ेलेंस्की ने इस घटना को ' भयानक त्रासदी' बताया। उन्होंने कहा कि जब आग लगी उस दौरान 33 लोग इमारत में थे। आपातकालीन सेवाओं द्वारा जारी की गई तस्वीरों में इमारत की दूसरी मंजिल पर भयानक आग दिखाई दे रही है। ज़ेलेंस्की ने आपातकालीन सेवाओं द्वारा दी गई रिपोर्ट की आधार पर 15 लोगों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 'हम सभी प्रार्थना करते हैं कि अब और कोई नहीं होगी। आग लगने के तत्काल बाद यह साफ नहीं सका है कि कितने लोगों को इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है।

आग लगने की हो रही जांच

आपातकालीन सेवाओं ने जानकारी दी है कि नौ

लोगों को पास स्थित दूसरे अस्पतालों में शिफ्ट किया गया है, तो वहीं एक अधिकारी इरीना वेडन्यटकोवा ने बताया कि 11 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी बिजली के हीटर के दुरुपयोग की वजह से आग लगी होगी जिसकी जांच कर रहे हैं।

कम नहीं हो रहीं ब्रिटेन की चुनौतियांःयूके के कई हिस्सों में बर्फबारी और चक्रवात 'क्रिस्टोफ' की दस्तक, चर्च को बनाना पड़ा वैक्सीनेशन सेंटर

लंदन। ब्रिटेन में चुनौतियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। महामारी से जंग लड़ने के बाद देश को टीके में उम्मीद नजर आई तो कोरोना के नए वैरिएंट ने दस्तक दे दी। अब लॉकडाउन लगाकर स्थिति को काबू करने की कोशिश की जा रही है तो ब्रिटेन के कई हिस्सों में बर्फबारी और चक्रवाती तूफान क्रिस्टोफ ने दस्तक दे दी।

तूफान के कारण इंग्लैंड समेत कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। इसका सीधा असर वैक्सीनेशन पर पड़ रहा है। हालांकि, टीकाकरण अभियान को जारी रखने के लिए चर्च को वैक्सीनेशन सेंटर में तब्दील किया जा रहा है। दूसरी ओर ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन ने गुरुवार को हेलीकॉप्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मौसम एजेंसी के मुताबिक, इंग्लैंड में पूर्वी-पश्चिम डड्सबरी

और नॉर्थडेन में 2000 घरों को खाली कराया गया है। बाढ़ के कारण यहां की स्वॉलेन नदी का जलस्तर 2016 के 9.8 फीट के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 10.7 फीट तक बढ़ गया है।

वैक्सीन को बचाना एक चुनौती- स्थानीय नेता मार्क प्रिचर्ड ने बताया कि इंडस्ट्रियल एस्टेट में ऑक्सफोर्ड वैक्सीन का निर्माण और गोदाम में स्टोर किया जाता है। ह2में सुनिश्चित करना होगा कि बाढ़ में वैक्सीन को नुकसान न पहुंचे।

इस प्लांट को हर साल वैक्सीन की 300 मिलियन डोज बनाने का काम सौंपा गया है। यह प्लांट डी नदी के पास है। इसका जलस्तर 1996 में वॉटर गेज के चालू होने के बाद अपने उच्चतम रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गया है।

दिल्ली तैयारः सुरक्षा व्यवस्था में हजारों जवान, आतंकी चिड़िया भी नहीं उड़ पाएगी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी दिल्ली में कड़े इंतजाम करने की व्यवस्था की है। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम के लिए पुलिस गश्त बढ़ाने के साथ ही सत्यापन अभियान को अब और तेज कर दिया गया है। ऐसे में अधिकारियों ने शुक्रवार को ये सारी जानकारी दी है। इस बारे में उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कार्यक्रम के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी में जमीन से लेकर आसमान तक सुरक्षा के अभूतपूर्व प्रबंध किए गए हैं और इसके लिए हजारों सशस्त्र जवानों को तैनात किया गया है। हर तरह से सुरक्षा का ध्यान रखा जाएगा।

सुरक्षा इंतजामों को और पुख्ता

राजधानी दिल्ली में 26 जनवरी को सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए पुलिस ने कहा कि नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों की 26 जनवरी को प्रस्तावित ट्रैक्टर रैली को देखते हुए भी दिल्ली के बॉर्डरों के आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा इंतजामों को और

पुख्ता किया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए उन्होंने कहा कि भीड़ वाले बाजारों में भी गश्त को बढ़ाया गया है। साथ ही शहर भर में वाहनों की चेकिंग भी की जा रही है। ऐसे में पुलिस ने कहा कि किराएदारों एवं नौकरों का सत्यापन, सीमा पर चेकिंग, पुरानी कारों की खरीद-फरोख्त करने वाले डीलरों और सिम कार्ड डीलरों का सत्यापन करने जैसे आतंकवाद-रोधी उपाय किए जा रहे हैं।

सुरक्षा संबंधी अन्य आवश्यक कदम

आगे उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, हवाई अड्डा और बस टर्मिनल पर भी सुरक्षा कड़ी की गई है। साथ ही पुलिस थाना स्तर पर बैठक कर इलाके के होटलों, गेस्ट हाउस और अन्य प्रतिष्ठानों के गार्ड को और अधिक चौकस रहने को कहा जा रहा है। वहीं सुरक्षा संबंधी अन्य आवश्यक कदम भी उठाए जा रहे हैं। जबकि इधर दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में पुलिस ने गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा के मद्देनजर रखते हुए धारा 144 लागू कर दी है। नोएडा पुलिस के आदेश के तहत 22 जनवरी से लेकर 31 जनवरी तक नोएडा में इस धारा के तहत किसी भी तरह के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।वहीं प्राइवेट ड्रोन उड़ाने की भी अनुमति नहीं होगी।

वैक्सीन से डर खत्मः सामने आई इम्यूनिटी रिस्पॉन्स की रिपोर्ट

नई दिल्ली। आपातकाल की स्थिति में कोवैक्सीन के इस्तेमाल पर भारत में इजाजत देने के बाद से चिंताएं और कई तरह से सवाल उठने लगे थे। ऐसे में इस पर भारत-बायोटेक के प्रमुख कृष्णा एल्ला भी जवाब दे चुके हैं। हालाकिं अब लैंसेट जर्नल की स्टडी में भी कोवैक्सीन के पहले फेज के परिणामों में इम्यूनिटी रिस्पॉन्स डेवलप होने की बात कही गई है। बता दें, वैक्सीन पर ये अध्ययन ऐसे समय में आया है जब देश में सरकार भी लोगों में वैक्सीन को लेकर बने भय को दूर करने की कोशिश करने में लगी हुई है।

बिल्कुल घबराने की आवश्यकता नहीं

ऐसे में भारत-बायोटेक की ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर सुचित्रा एल्ला ने ट्वीट किया है-प्रतिष्ठित जर्नल लैंसेट में कोवैक्सीन के पहले फेज के ट्रायल के परिणामों पर अध्ययन पब्लिश होना गर्व की बात है। ये किसी भारतीय वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल डेटा पब्लिकेशन का पहला मामला है।

साथ ही इस अध्ययन में कहा गया है कि 375 लोगों पर किए गए इस ट्रायल के नतीजों में कोवैक्सीन एंटी बॉडी बनाती हुई दिखी है। वहीं इस पेपर को एम्स के डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया, कृष्णा एल्ला, डॉ समीरन पांडा और प्रोफेसर बलराम भार्गव ने लिखा है। बता दें, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के संक्रामक विभाग के हेड डॉ. समीरन पांडा ने कोवैक्सीन और कोविशील्ड को लेकर अफवाहों का जवाब दिया था। इस पर उन्होंने साफ किया था कि इमरजेंसी यूज की अनुमति पा चुकी कोवैक्सीन और कोविशील्ड वैक्सीन बिल्कुल सेफ हैं और इनकी प्रभावशीलता को लेकर बिल्कुल घबराने की आवश्यकता नहीं है।

बड़े स्तर पर एंटीजेन

इसके साथ ही उन्होंने यहां तक कहा था कि आम लोगों को साथ आकर वैक्सीन के खिलाफ चलाए जा रहे अफवाह तंत्र और भ्रम को नकारना चाहिए। भारत द्वारा बनाई गई वैक्सीन कोवैक्सीन ने बड़े स्तर पर एंटीजेन पर अपना प्रभाव दिखाया है। जबकि ऐसे में उम्मीद है कि इसका असर वायरस के म्यूटेशन पर भी पड़ेगा।

लेकिन आईसीएमआर और भारत बायोटेक ने साथ मिलकर कोवैक्सीन विकसित की है। वहीं इस वैक्सीन को भारत के लिहाज से बहुत कारगर माना जा रहा है।

Corona Vaccination ने पकड़ी रफ्तार, अब तक छह हजार स्वास्थ्यकर्मियों को लगा टीका

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

टीकाकरण अभियान को अब एक सप्ताह का समय पूरा हो चुका है और अच्छी बात ये है कि दिन प्रतिदिन टीकाकरण अभियान रफ्तार पकड़ रहा है। शनिवार को दोनों जिलों में कुल 1,544 टीकाकरण किया गया। अच्छी बात ये है कि निजी अस्पतालों के बाद अब सरकारी अस्पतालों में भी निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने की होड़ मच गई है।

सरकारी अस्पतालों में हरि नगर स्थित दीन दयाल उपाध्याय पहला अस्पताल है जिनसे निर्धारित लक्ष्य के पार जाकर शनिवार को 104 स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण किया। वहीं जनकपुरी स्थित अतिविशिष्ट अस्पताल भी लक्ष्य के काफी नजदीक रहा। यहां 90 स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण हुआ। वहीं पंजाबी बाग स्थित महाराजा अग्रसेन अस्पताल, जनकपुरी स्थित माता चानन देवी अस्पताल, द्वारका सेक्टर-3 स्थित आकाश अस्पताल व पश्चिमी विहार स्थित सहगल नियो अस्पताल में लगातार तीसरे दिन निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया।

शनिवार को वेंकटेश्वर ने भी लक्ष्य को प्राप्त किया। जहां तक वैक्सीन के दुष्प्रभाव की बात है, दोनों जिलों में कुल पांच स्वास्थकर्मियों को समस्या हुई पर सभी अब स्वस्थ है। निर्धारित लक्ष्य की बात करें तो अब तक दक्षिण-पश्चिमी जिले में 4,500 स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण होना था, पर अभी तक केवल 2,721 स्वास्थ्यकर्मी ही आगे आए है। वहीं पश्चिमी जिले में 5,500 टीकाकरण होना था, लेकिन अभी 3,355 टीकाकरण ही हो पाया है। कहीं न कहीं इसका कारण वैक्सीन को लेकर अविश्वास है। विशेषकर ऐसे स्वास्थ्यकर्मियों में जो 60 वर्ष से अधिक उम्र के है व जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहे है।

दक्षिण-पश्चिमी जिले की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अंजना कौशल ने बताया कि सभी केंद्रों पर अब अन्य निजी अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण भी शुरू हो चुका है। शुरुआत में प्रत्येक केंद्र को रोजाना 100 टीके लगाने का लक्ष्य दिया गया था। पर अब केंद्रों को निर्देश दिया गया है कि वे जितना संभव हो उतना टीकाकरण करें। ताकि जल्द से जल्द स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण पूरा कर अग्रिम पंक्ति के लोगों का टीकाकरण शुरू किया जा सके।

वैक्सीन लगने के बाद हुई परेशानी

अतिविशिष्ट अस्पताल में महिला स्वास्थ्य कर्मचारी को वैक्सीन लगाने के बाद सिर दर्द, सिर चकराना और रक्तचाप बढ़ने की समस्या की शिकायत दी। वहीं वेंकटेश्वर अस्पताल में भी महिला स्वास्थ्यकर्मी ने बाएं हाथ में दर्द, आयुष्मान अस्पताल में महिला स्वस्थकर्मी को जीभ पर हल्का झुनझुनापन महसूस हुआ और आकाश अस्पताल में जी मिचलने, तनाव व बाएं हाथ में दर्द की शिकायत दी। हालांकि चारों स्वास्थ्य कर्मचारी अब स्वस्थ है। इसके अलावा दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में एक महिला चिकित्सक ने वैक्सीन लगवाने के बाद घबराहट की शिकायत की। पर थोड़ी देर बाद वे स्वस्थ हो गई। वहीं 16 जनवरी को बसईदारापुर स्थित ईएसआई अस्पताल में जिस स्वस्थ्यकर्मी को वैक्सीन लगने के बाद शरीर के एक हिस्से में दर्द की समस्या हुई थी, वह फिलहाल ठीक है लेकिन अभी उन्हें चिकित्सक निरीक्षण में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक उनका एमआरआई हो चुका है और रिपोर्ट पूरी तरह ठीक है। जबकि दूसरे स्वास्थ्य को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

दिल्ली दंगे : 'विचाराधीन कैदियों के निर्दोष होने की धारणा को मीडिया ट्रायल से समाप्त नहीं किया जाना चाहिए'

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद की एक याचिका पर अदालत ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया की शुरुआत में निर्दोष होने की धारणा को मीडिया ट्रायल से समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। याचिका में उसने आरोप लगाया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों में उसके खिलाफ विद्वेषपूर्ण मीडिया अभियान चलाया गया। अदालत ने कहा कि उसे उम्मीद है कि जिस मामले में जांच चल रही है या सुनवाई चल रही है उसमें रिपोर्टिंग करते समय मीडिया स्वनियमन तकनीक का अनुसरण करेगा। मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेटट दिनेश कुमार ने कहा, स्वनियमन नियमन का बेहतर प्रारूप है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक समाज में प्रेस और समाचार मीडिया को चौथा स्तंभ बताया जाता है, लेकिन अगर वे अपना काम सावधानी से करने में विफल रहते हैं तो पूर्वाग्रह का खतरा पैदा हो जाता है और इसी तरह का खतरा है मीडिया ट्रायल। उमर खालिद की तरफ से पेश याचिका में दावा किया गया है कि मीडिया की खबरों में यह दिखाने के लिए उसके कथित खुलासा वाले बयान का हवाला दिया गया है कि उसने दंगों में अपनी संलिप्तता के बारे में स्वीकार किया है और निष्पक्ष सुनवाई के उसके अधिकार के प्रति पूर्वाग्रह है।

खालिद ने अदालत से कहा था कि कथित खुलासा वाले बयान के नीचे लिखा गया था कि आरोपी इस पर दस्तखत करने से इनकार करता है। यह बयान उसके खिलाफ आरोपपत्र का हिस्सा बनाया गया। अदालत ने मीडिया की खिंचाई करते हुए कहा कि संवाददाता के पास कानून की मूलभूत जानकारी होनी चाहिए क्योंकि पाठक/दर्शक समाचार के तथ्यों को परखे बगैर इसे सच मानते हैं।अदालत ने कहा कि साथ ही आम आदमी को उपरोक्त वर्णित कानून के बारे में जानकारी नहीं हो सकती है, इसलिए यह प्रेस और मीडिया का कर्तव्य है कि समाचार चैनल पर दिखाए जाने वाले या प्रकाशित की वाली खबरों की परिस्थितियों और संबंधित तथ्यों के बारे में अपने पाठकों और दर्शकों को सूचित करे और उन्हें जानकारी दे।

पीएम मोदी ने 1.06 लाख लोगों को आवंटित किए जमीन के पट्टे, कहा-दूर हुई चिंता

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को असम के शिवसागर में 1.06 लाख लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित किए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि असम सरकार ने यहां के लोगों की चिंता दूर की। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि असम के लोगों का ये आशीर्वाद, आपकी ये आत्मीयता मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। आपका ये प्रेम और स्नेह मुझे बार बार असम ले आता है। उन्होंने कहा कि असम सरकार ने यहां के लोगों की चिंता दूर की। 1 लाख से ज्यादा मूल निवासी परिवारों को भूमि के स्वामित्व का अधिकार मिलने से आपके जीवन की बड़ी चिंता अब दूर हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 5 साल पहले तक असम के 50 प्रतिशत से भी कम घरों तक बिजली पहुंची थी, जो अब करीब 100त तक पहुंच चुकी है। जल जीवन मिशन के तहत बीते 1.5 साल में असम में 2.5 लाख से ज्यादा घरों में पानी का कनेक्शन दिया गया है।

असम की 40 फीसदी आबादी को आयुष्मान भारत योजना का फायदा मिला। इनमें से 1.5 लाख परिवार तो अपना मुफ्त इलाज भी करा चुके हैं।

उन्होंने 10 लाभार्थियों को आवंटन प्रमाण पत्र भेंटकर इस अभियान की शुरुआत की। असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल और स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्वसरमा ने भी इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी अब तक उद्घाटन और शिलान्यास से संबंधित अपने अधिकतर कार्यक्रमों में डिजीटल माध्यम से जुड़ते रहे हैं। नए साल में यह पहला ऐसा कार्यक्रम है जब खुद प्रधानमंत्री इसमें शरीक हुए।

असम में 2016 में 5.75 लाख मूल निवासी परिवार भूमिहीन थे। राज्य सरकार ने मई 2016 से 2.28 लाख आवंटन प्रमाण पत्र वितरित किए हैं। आज का समारोह इस प्रक्रिया का अगला कदम है। सोनोवाल ने कहा कि आजादी के बाद यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में असम में लोगों को जमीन के 'पट्टे' दिए जाएंगे।

पेट्रोल-डीजल पर फिर महंगाई की मार, मात्र 7 दिन में 1 रुपए प्रति लीटर बढ़ गए दाम

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

देश में पेट्रोल और डीजल के दाम शनिवार को अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए। पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने इस सप्ताह चौथी बार वाहन ईंधन कीमतो में बढ़ोतरी की है। मात्र 7 दिन में करीब 1 रुपए प्रति लीटर बढ़ गए दाम।

पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार शनिवार को पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 25-25 पैसे प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। इससे दिल्ली में पेट्रोल 85.70 रुपए प्रति लीटर और मुंबई में 92.28 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय राजधानी में डीजल 75.88 रुपए प्रति लीटर और मुंबई में 82.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

वाहन ईंधन कीमतों में लगातार दूसरे दिन वृद्धि की गई है। इस सप्ताह चार बार में वाहन ईंधन के दाम एक रुपए प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। स्थानीय बिक्री कर या मूल्यवर्धित कर (वैट) की वजह से विभिन्न राज्यों में वाहन ईंधन कीमतों में अंतर होता है। इस समय देश में वाहन ईंधन के दाम अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर हैं।

पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इससे पहले इसी सप्ताह वाहन ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के लिए सऊदी अरब द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, उन्होंने वाहन ईंधन पर करों में कटौती को लेकर कुछ नहीं कहा था। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने 7 जनवरी से वाहन कीमतों में रोजाना संशोधन फिर शुरू किया था। इससे पहले करीब एक माह तक वाहन ईंधन कीमतों में बदलाव नहीं किया गया था। उसके बाद से पेट्रोल 1.99 रुपए प्रति लीटर और डीजल 2.01 रुपए प्रति लीटर महंगा हो चुका है।

'हाईवे साथी' ऐप के बिना यमुना एक्सप्रेस-वे पर नहीं मिलेगी एंट्री

नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर होने वाले सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा उपायों पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इन्हीं उपायों के तहत अब वाहन चालकों के लिए 'हाईवे साथी' ऐप अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड करना जरूरी होगा। इस ऐप के बिना वाहन चालकों को यमुना एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने नहीं दिया जाएगा। इसके लिए आगरा और ग्रेटर नोएडा में इंतजाम किए जाएंगे। 15 फरवरी के बाद इसको लागू करने की तैयारी है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसों को रोकने के लिए हर जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। एक्सप्रेस-वे की निगरानी यमुना प्राधिकरण करता है, जबकि इसका संचालन एक कंपनी के पास है। एक्सप्रेस-वे पर सुरक्षा उपायों के लिए यमुना प्राधिकरण समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करता रहता है। अब प्राधिकरण एक्सप्रेस-वे पर आने से पहले वाहन चालकों को अपने मोबाइल फोन में 'हाईवे साथी' ऐप डाउनलोड करना अनिवार्य बनाने जा रहा है।

इस ऐप के जरिए कोई घटना-दुर्घटना होने पर तुरंत सहायता मिल सकेगी, इसलिए इसे जरूरी किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, आगरा व ग्रेटर नोएडा में जीरो प्वॉइंट पर बूथ बनाए जाएंगे। यहां पर वाहन चालकों के मोबाइल पर इस ऐप को देखा जाएगा। ऐप डाउनलोड होने पर ही वाहन चालक को यमुना एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने दिया जाएगा। प्राधिकरण और एक्सप्रेस-वे का संचालन करने वाली कंपनी ने 2017 में इस ऐप को लॉन्च किया था। अधिकारियों के मुताबिक, यमुना एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने के बाद 'हाईवे साथी' ऐप से वह मोबाइल सीधा सर्वर से जुड़ जाएगा। इससे वाहन चालक का मोबाइल नंबर और गाड़ी का नंबर भी सर्वर से जुड़ जाएगा। अगर कोई हादसा होता है तो इस ऐप के जरिए निकटतम एम्बुलेंस, अस्पताल, क्रेन, दवा की दुकान, पुलिस स्टेशन आदि की जानकारी मिल जाएगी। इस ऐफ के जरिए पुलिस कर्मियों व एक्सप्रेस-वे कर्मियों की सहायता मिल जाएगी, इसीलिए इस ऐप को जरूरी किया जा रहा है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक फरवरी से फास्टैग सुविधा शुरू करने की तैयारी है। इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। टोल पर सेंटर सिस्टम लगाया जाएगा।

सोमनाथ जाएंगे जेल! कोर्ट ने एम्स कर्मी से मारपीट केस में ठहराया दोषी

नई दिल्ली। देश की राजधानी की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती को 2016 में दर्ज एक मामले में एम्स सुरक्षा कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के लिए दोषी ठहराया है। अदालत ने इस मामले में चार अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है।

दोषी करार दिए गए सोमनाथ

बता दें कि साल 2016 में आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती ने एम्सके सुरक्षाकर्मी के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया था। आज इसी मसले पर एक कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए विधायक सोमनाथ भारती को दोषी करार दिया है। वहीं इस मामले से जुड़ें चार अन्य आरोपियों को वरी कर दिया है। बताया जाता है कि एम्स 0 के सुरक्षाकर्मियों ने सोमनाथ भारती 0 पर मारपीट का आरोप लगाया था।

MLA **की जमानत पर बोले अपर जिला जजः** जानकारी के मुताबिक, बीते शनिवार को विधायक की जमानत पर विशेष न्यायाधीश के अपर जिला जज विनोद कुमार बरनवाल ने कहा था कि इस मामले में उन्हें जमानत दी जाएगी। इसके लिए उन्हें दो जमानतदारों के साथ पचास हजार रूपये को मुचलका भरना होगा। साथ ही उन पर देश से बाहर जाने की पाबंदी लगाई गई है।

सोमनाथ को क्यों दोषी करार दिया गया

बताते चलें कि 2016 में एम्स के सुरक्षाकर्मी के साथ विधायक सोमनाथ भारती मारपीट की थी। इतना ही नहीं, उन्होंने इस झड़प में सरकारी संपत्तियों को भी हानि पहुंचाया था। तमाम सबूतों को मद्देनजर रखते हुए आज कोर्ट ने विधायक सोमनाथ भारती को दोषी करार दिया है। वहीं बीते शुक्रवार को भी इस मामले पर सुनवाई की गई थी, जिसके बाद कोर्ट ने कहा था कि इस मामले की फाइनल सुनवाई शनिवार को सुनाएगी।

ऑनलाइन शिक्षा से प्राथमिक कक्षा के छात्रों का भविष्य हो रहा है खराबः सर्वेक्षण

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

कोरोना महामारी की वजह से पूरे विश्व में सब कुछ बदल गया है। इस महामारी के कारण शिक्षा पर भी बुरा असर पड़ा है। महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से बच्चों की शिक्षा को जारी रखना एक चुनौती थी जिसे ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से पूरा करने का प्रयास किया गया। एक तरफ जहां दिल्ली सरकार ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए तरह-तरह के प्रयोग करने में लगी है वहीं मिशन एजुकेशन नामक संस्था ने ऑनलाइन एजुकेशन पर बड़ा सवाल खड़ा करते हुए इसे प्राथमिक क्लास के बच्चों के लिए बेहद खतरनाक बताया है। संस्था ने घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया है जिसके चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। सर्वे में ऑनलाइन शिक्षा की वजह से मासूम बच्चों की आंखों की रौशनी कमजोर होने के भी दावे किए गए हैं। मिशन एजुकेशन की तरफ से राजधानी दिल्ली के करीब तीन हजार परिवारों के बच्चों से संपर्क कर उनसे कुछ सवाल किया है। इन सवालों के मिले जवाब के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की गई है जिसे जल्द ही दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसौदिया को सौंपी जाएगी। मिशन एजुकेशन ने कोविड-19 महामारी के दौरान पिछले छह महीने में दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों जाफराबाद, ओखला, इन्द्र लोक, फराशखाना कलां महल, तिलक बाजार, लक्ष्मी नगर, वजीराबाद, हवेली आजम खान चूड़ीवालान, तुर्कमान गेट, गली शंकर, छत्ताजाम बेग, धोबी घाट, तकिया काले खां, माता सुंदरी रोड आदि के लगभग 3000 घरों तक पहुंच कर छात्रों के माता-पिता और शिक्षकों से शिक्षा के विषय पर सीधे बातचीत की है। इस बातचीत के आधार पर किए गए सर्वेक्षण में स्कूल बंद होने और ऑनलाइन शिक्षा से उत्पन्न समस्याओं पर चर्चा की गई है।

सर्वेक्षण में सबसे गंभीर निष्कर्ष यह निकला कि ऑनलाइन शिक्षा से प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों की आंखों की रोशनी खराब हो रही है। प्राथमिक कक्षा के छात्रों की मानसिक स्थिति सेकेंडरी में पढ़ने वाले छात्रों से भिन्न होती है। वह ऑनलाइन शिक्षा को गंभीरता से नहीं लेते हैं। उनके शिक्षकों का मानना है कि स्कूल बंद होने के कारण प्राईमरी कक्षा के बच्चों की शिक्षा बर्बाद हो रही है। अधिकांश सरकारी स्कूलों के छात्रों के पास मोबाइल फोन नहीं हैं अथवा अधिकतर क्षेत्रों में इंटरनेट की तकनीकी दिक्कतें हैं और बच्चे भी ऑनलाइन शिक्षा को गंभीरता से न लेकर लापरवाह हो रहे हैं।

आरएसएस भी चाहती है किसानों-सरकार में समझौता, लंबा आंदोलन देशहित में नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के विरोध में लगभग दो महीने से जारी किसान आंदोलन को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी चिंतित है। संघ के सर कार्यवाह सुरेश भैया जी जोशी ने कहा है कि सरकार और किसानों के बीच जल्द से जल्द समझौता होना चाहिए। लंबे आंदोलन को देश व समाज हित के खिलाफ बताते हुए उन्होंने कहा कि हर आंदोलन का सुखांत होना आवश्यक है। किसान और सरकार दोनों ही पक्षों को मिलकर समन्वय बिंदु तलाशना चाहिए और किसी सर्वमान्य समझौते की राह निकालनी चाहिए।

भैया जी जोशी का मीडिया इंटरव्यू वायरल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किसान आंदोलन को जल्द से जल्द खत्म किए जाने की वकालत की है। सर कार्यवाह सुरेश भैया जी जोशी का मीडिया इंटरव्यू वायरल होने के साथ ही

आरएसएस के कई पदाधिकारी भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए हैं। आरएसएस की ओर से यह कोशिश की जा रही है कि आंदोलनकारी किसानों को खालिस्तानी न बताया जाए। सरकार्यवाह ने अपने इंटरव्यू में कहा है कि सरकार ने कभी नहीं कहा कि किसान आंदोलनकारी खालिस्तानी हैं लेकिन यह जरूर है कि कुछ ऐसे तत्व हैं जो नहीं चाहते हैं कि किसानों का सरकार के साथ समझौता हो। ऐसे तत्वों की पहचान होनी चाहिए जो विघटनकारी हैं और असंतोष को बढ़ावा दे रहे हैं।

'लोकतंत्र में आंदोलन सभी का हक है'

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन सभी का हक है लेकिन लंबा आंदोलन देश व समाज के लिए अच्छा नहीं होता है। लोकतंत्र में हमेशा अलग-अलग दृष्टिकोण होते हैं और सभी संगठनों की अपनी अपेक्षाएं होती हैं। सामान्य तौर पर यह बेहद मुश्किल काम है कि लोकतंत्र में सभी लोगों को किसी एक राय के लिए तैयार किया जाए। इस वजह से अलग-अलग डिमांड सामने आती रहती है। जिन लोगों सरकार को लोगों की मांग पूरी करनी होती है। उनकी भी अपनी सीमाएं हैं। यह संभव नहीं है कि सभी की सारी दिन डिमांड को पूरा कर दिया जाए। लोकतंत्र ने दोनों पक्षों को यह अवसर प्रदान कर रखा है कि वह अपनी बात एक -दूसरे के समक्ष रखें।

'सदैव तैयार रहना चाहिए'

कई बार देखा गया है कि दोनों ही पक्ष अपने स्थान पर सही होते हैं लेकिन प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना चाहिए कि सरकार उनकी सभी मांग को पूरा नहीं कर सकती है। इसके बावजूद उन्हें संवाद बनाए रखना चाहिए और संवाद के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए । सरकार को भी यह सोचना चाहिए कि वह ज्यादा से ज्यादा कितना दे सकती है। जो भी आंदोलन होते हैं उनको उनका सुखांत होना आवश्यक है। इसलिए सभी आंदोलनकारियों को यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि उन्हें कहां तक आंदोलन करना है और सरकार को भी देखना चाहिए कि वह उनकी बात सुनकर कार्रवाई करें।

संपादकीय

लोकतंत्र की मजबूती

अमेरिका में सत्ता परिवर्तन का न केवल स्वागत, बल्कि अनुकरण भी होना चाहिए। स्वागत इसलिए कि एक अपेक्षाकृत उदार, समावेशी, लोकतांत्रिक राष्ट्रपति जो बाइडन ने अमेरिका की कमान संभाली है और अनुकरण इसलिए कि देश व व्यक्ति के हित में लोकतंत्र में असीम संभावनाएं फिर प्रबल हुई हैं। सत्ता हस्तांतरण में हुई दुखद समस्या के बावजूद अमेरिकी इतिहास के सबसे वरिष्ठतम या बुजुर्ग राष्ट्रपति ने अपने विरोधियों को भी गले लगाने और साथ लेकर चलने की महानता का प्रदर्शन किया है। ऐसा शायद सिर्फ लोकतंत्र में ही संभव है कि हम किसी असभ्यता को पूरी सभ्यता के साथ प्रतिउत्तर दे सकते हैं। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में प्रेरणा के सशक्त शब्दों का जो अकाल पड़ गया था, उसे दूर करने के प्रति बाइडन ने जो भाव प्रदर्शित किए हैं, उनकी व्यंजना दुनिया के तमाम देशों तक पहुंचेगी और तमाम लोकतंत्रों की बुनियाद मजबूत करने में अपनी विशेष भूमिका निभाएगी। हम शायद नहीं भूल सकेंगे कि डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे अमेरिका और भारत जैसे लोकतंत्रों का मखौल उड़ाने वालों को मौका दिया था। लोकतंत्र पर हंसने वालों को बाइडन ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन से ऐसा माकूल जवाब दिया है कि आज गैर-लोकतांत्रिक देश अचंभित व लज्जित होंगे। बाइडन का आना लोकतंत्र की खूबसूरती है। आमतौर पर यह देखा जाता है कि राजनीति में सेर भर आक्रामकता का मुकाबला सवा सेर आक्रामकता करती है और व्यवस्था दिनों-दिन बिगड़ती-अभद्र होती चली जाती है। लेकिन अमेरिका में दुनिया ने देख लिया कि आक्रामकता का मुकाबला उदारता भी सफलतापूर्वक कर सकती है। बाइडन ने जिस भावना का प्रदर्शन किया है, उसकी जरूरत उन्हें कदम-कदम पर पड़ने वाली है। आतंकवाद से लेकर प्रदूषण तक, और फलस्तीन से लेकर चीन तक अनगिनत चुनौतियां मुंह बाए खड़ी हैं। बाइडन को अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर अमेरिका को व्यवस्थित करना है। कोरोना से लड़ते हुए अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठान की जो कमजोरियां सामने आई हैं, उनका इलाज प्राथमिकता से होना चाहिए और अमेरिका को इस मोर्चे पर आदर्श बनकर उभरना चाहिए। अमेरिकी पूंजीवाद पर भी बाइडन की उदारता के छींटे पड़ने चाहिए। दुनिया को ऐसे सच्चे पूंजीवाद की जरूरत है, जिसमें लाभ साझा करने का भाव हो। यह अवसर है, जब भारतीयों को अनायास खुशी की अनुभूति हो रही है। अमेरिकी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस अपने आप में एक इतिहास हैं। भारतीयों को भूलना नहीं चाहिए कि करीब सौ साल पहले कैसे भगत सिंह थिंड ने अमेरिकी नागरिकता के लिए संघर्ष किया था। किस संघर्ष से नागरिकता पाने के बाद दलीप सिंह सौंद अमेरिका में भारतीय मूल के पहले सांसद बने थे। ऐसे बहुत से भारतीय हैं, जो अमेरिकी नागरिकता के इंतजार में ही दुनिया से विदा हो गए। अब कमला हैरिस का उप-राष्ट्रपति बनना न सिर्फ भारतीयों, बल्कि दुनिया के अश्वेतों के लंबे संघर्ष का जीता-जागता प्रमाण है। बाइडन की पूरी टीम के लिए पद पाने की सार्थकता सिद्ध करने का यह सही समय है। लंबी-चौड़ी भारतीय मूल की टीम को मानवता की सेवा का बेहतरीन मौका मिला है, वह हाथ से जाना नहीं चाहिए। यह टीम अमेरिका को आतंकवाद व पूंजीवाद के मोर्चे पर महज न्यायपूर्ण भी रख पाई, तो दुनिया का भला हो जाएगा।

ऐतिहासिक मुकाम

सेंसेक्स यानी मुंबई शेयर बाजार के संवेदी सूचकांक ने 21 जनवरी, 2021 को एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। यह मुकाम 50000 बिंदुओं का है। इतिहास में पहली बार सेंसेक्स ने 50000 का शिखर छुआ। अर्थव्यवस्था ने कोरोना के झटकों से उठकर लड़खड़ाकर चलना शुरू किया है। ऐसे में सेंसेक्स की इस मजबूती पर खुशी होती हैग पर आश्चर्य भी होता है कि जब वित्त मंत्री संसाधन उगाही के नये-नये रास्ते तलाश रही हैं और कई उद्योग अभी भी राहत पैकेज की मांग कर रहे हैं, तब ऐसा क्या हो गया है निवेश जगत में कि सेंसेक्स लगातार ऊपर का रुख बनाए हुए है। सेंसेक्स ने 2020 के साल में करीब 17 प्रतिशत का प्रतिफल दिया, यह प्रतिफल इतना शानदार था कि लगा ही नहीं कि कोरोना ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कहीं से प्रभावित किया। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था के भविष्य पर भरोसा करने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है। दिसम्बर, 2020 में खत्म हुई तिमाही में कई कंपनियों ने वित्तीय परिणामों की घोषणा की, ये परिणाम उम्मीद से ज्यादा बेहतर थे। विदेशी निवेशक भारत में अपना भरोसा लगातार बनाए हुए हैं। जीएसटी संग्रह को लेकर सरकार की चिंताएं कम हुई हैं। दुनिया भर से समाचार सकारात्मक हैं। जो बाइडेन का रुख तमाम मसलों पर टकराव वाला ना रहेगा, जैसा आम तौर पर ट्रंप का रहा करता था, ऐसी उम्मीदें सब तरफ लगाई जा रही हैं। समायोजन की राजनीति टकराव की राजनीति की जगह लेगी अमेरिका में, ऐसी उम्मीदें हैं। बाइडेन अमेरिकी अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए नये पैकेज घोषित करेंगे, ऐसी भी उम्मीद है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का मजबूत होना कहीं-ना-कहीं भारतीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करता है, खास तौर पर भारत का साफ्टवेयर उद्योग नई तरह से राहत की सांस ले रहा है बाइडेन के आने के बाद। कुल मिलाकर सेंसेक्स 50000 के पार जा चुका हैग अब यह थोड़ा बहुत नीचे-ऊपर हो भी जाए, तो निवेशकों को ध्यान रखना चाहिए कि कोरोना अर्थव्यवस्था को चौपट कर सकता है, उम्मीदों को नहीं। पर सावधानी की भी दरकार है। शेयर बाजार ऊपर जाता है, तो तमाम छोटे निवेशक बड़े प्रतिफल की उम्मीद में बिना आवश्यक ज्ञान के बाजार में आ जाते हैं, और अपने हाथ जला लेते हैं। अतीत में शेयर बाजार की तेजी से हमें यही सबक मिलता है कि तेजी हो या मंदी, बिना पृ
बाजार में निवेश नहीं करना चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

नायक सबके

राजनीति में प्रतीकों का अपना महद्भव है। प्रतीक अगर राष्ट्रीय नायक हों तो महद्भव और भी बढ़ जाता है। केंद्र में सत्तासीन होने के बाद भाजपा पर राष्ट्र नायकों के अधिग्रहण के आरोप लगते रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने की घोषणा को इसी कड़ी में देखा जा रहा है। बताते चलें कि 2022 में नेताजी की 125वें जन्मदिवस को केंद्र वृहद् पैमाने पर मनाने की तैयारी कर रही है। चूंकि अपने देश में सरकार के हर कदम के राजनीतिक निहितार्थ होते हैं, और नहीं होते तो निकाल लिए जाते हैं। ऐसे में सरकार के इस कदम को भाजपा की राजनीति के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। विशेषकर प. बंगाल में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के संदर्भ में।

दरअसल, राष्ट्र नायकों के अधिग्रहण विवाद के दो पक्ष हैं। पहला, कांग्रेस पर स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों और स्वतंत्रता के बाद देश का नेतृत्व करने वाले नेताओं की अनदेखी के आरोप लगते रहे हैं। विशेषकर सारा सम्मान एक परिवार विशेष पर लुटा देने का। दूसरी तरफ दरकिनार किए गए नायकों को भाजपा एक प्रकार से अपने रंग में रंग रही है। दूसरे शब्दों में कहें तो उनका उचित सम्मान उन्हें दे रही है, जिसके वे हकदार हैं। संभवत सम्मान देने की अगली कड़ी में देश में आर्थिक उदारीकरण के जनक कहे गए पीवी नरसिम्हा राव हैं। संयुक्त आंध्र प्रदेश (वर्तमान में तेलंगाना) से आने वाले पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव को भारत रत्न से नवाजने की मांग जन्मशताबदी वर्ष में जोर-शोर से उठाई जा रही है। जाहिर तौर पर राज्य में राजनीति करने वाले दल इसे भुनाना चाहेंगे। आदर्श बात तो यह मान्यता है कि राष्ट्र नायक समूचे देश के होते हैं, किसी दल या विचाराधारा के नहीं। उनके योगदान को जितना याद किया जाए, सम्मान दिया जाए, उतना कम है। वो देश और समाज के प्रेरणास्त्रोत होते हैं। नायकों के योगदान और उसका प्रचार-प्रसार सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अपने नायकों को देश का जनमानस भूलता नहीं, भले सरकारें विस्मृत करने की लाख कोशिशें करें।

वैश्विक चुप्पी ठीक नहीं

> बहरहाल, वैश्विक स्तर पर चीन के बढ़ते प्रभाव से मानव अधिकार समूह दबाव में हैं, और वे चीन के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कई देशों में तो वहां की सरकारें उन्हें ऐसा करने से बलपूर्वक रोक देती हैं। ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में हांगकांग और वीगर मुसलमानों को लेकर चीन की नीति की आलोचना की गई थी लेकिन जैक कहां गायब हो गए और कब लौटेंगे इसे लेकर न तो कोई प्रदर्शन हुए और न ही चीन पर दबाव बढवया गया है। विश्व समुदाय की यह चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है

साम्यवादी शासन में सर्वसत्तावाद और सर्वाधिकारवाद का वर्चस्व स्थापित करने की शी जिनपिंग की नीतियां बेलगाम होकर चीन के नागरिकों के मानव अधिकारों को निगल रही हैं।

वहीं वैश्विक मंच पर आर्थिक हित इतने हावी हो गए हैं कि मानव अधिकार जैसे अहम मुद्दे दुनिया में बहुत पीछे छूटते जा रहे हैं। चीनी सत्तावाद की स्पष्ट धारणा है कि सत्तारूढ़ दल या विचारधारा को परम सत्य मानकर सच्चे मन से उसके निर्देशों का पालन किया जाए, उन पर कोई प्रश्न चिह्न न लगाया जाए। चीन के मशहूर उद्योगपति जैक मा ने लगभग ढाई महीने पहले चीन के कम्युनिस्ट शासन द्वारा नियंत्रित वित्तीय नियामकों और सरकारी बैंकों की नीतियों की आलोचना की थी। इन संस्थानों को उदार होकर नवाचारों को बढ़ाने और उन्हें प्रोत्साहित करने की नसीहत देते हुए नीतियों में सुधार करने की जरूरत बताई थी।

जैक मा के इस भाषण के बाद चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने मा के एंटी ग्रुप सहित कई कारोबारों पर असाधारण प्रतिबंध लगा दिए और इसके बाद जैक भी अचानक गायब हो गए थे। दुनिया भर में यह खबर आने के बाद उन्हें चीन की साम्यवादी सरकार ने एक वीडियो शेयर करके दिखाया, लेकिन वे कहां हैं इसे लेकर अभी भी रहस्य बरकरार है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक जिनपिंग के कार्यकाल में चीन के कई अरबपति गायब हो गए थे। इस दौरान गायब हुए कई लोग कभी दोबारा सामने नहीं आए। जाहिर है कि जैक लौट भी पाएंगे या नहीं, इसे लेकर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से सवाल पूछने का किसी भी साहस नहीं था।

अफसोस! वैश्विक मंच पर भी खामोशी रही और यह मानव अधिकारों के लिए सबसे बड़ा झटका है। यह भी बेहद दिलचस्प है कि जिस महीने जैक गायब हुए थे उस समय चीन में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार की लगभग 40 देशों ने आलोचना की थी और हांगकांग में उसके नये राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के मानवाधिकारों पर पड़ने वाले असर पर गंभीर चिंता जताई थी। इनमें ज्यादातर पश्चिमी देश थे, जिन्होंने शिनजियांग और तिब्बत में अल्संख्यक समुदाय के साथ किए जा रहे सलूक पर सवाल उठाए थे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद मानव अधिकारों के उल्लंघन की निगरानी करती है, और समय-समय पर प्रत्येक सदस्य देश में मानवाधिकार की स्थिति की समीक्षा करती है। इसके प्रदर्शन पर भी अब सवाल उठने लगे हैं क्योंकि जैक जैसे तात्कालिक मामलों में भी चीन सरकार पर दबाव बढ़ाया जाना चाहिए थे, लेकिन संयुक्त राष्ट्र समेत किसी भी संस्था ने ऐसा अभी तक नहीं किया।

चीन ने मानव अधिकारों की स्थिति इतनी खराब है कि सामान्य नागरिक के लिए व्यवस्थाओं का विरोध करना भी मुश्किल होता है। चीन के हूबे प्रांत में रहने वाले शाओ हुआंग के आंसू कई महीनों के बाद भी थम नहीं रहे हैं, वे निराश और हताश हैं। इस शख्स ने अपने दादा को कोरोना से मरते हुए देखा था, लेकिन इतने मजबूर थे कि न तो अपने दादा को बचा सके और न ही अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ आवाज उठा सके, जिन्होंने समय पर मरीज को मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं दिया और नतीजतन शाओ के दादा चल बसे।

चीनी नागरिकों के लिए वहां की सरकार द्वारा संचालित किसी भी व्यवस्था की आलोचना करना अपनी जान को जोखिम में डालने वाला माना जाता है। अत ः शाओ बेबसी और लाचारी से अपने दादा को पल-पल मरते हुए देखते रहे, लेकिन अली बाबा के संस्थापक जैक मा, शाओ हुआंग की तरह शांत न रह सके। इसका परिणाम उनके लिए बेहद भयावह हुआ और शायद जानलेवा भी हो सकता है। बीसवीं सदी के महान दार्शनिक कार्ल पापर की विख्यात किताब 'द ओपन सोसाइटी एंड इट्स एनिमिस' में तर्क दिया गया है कि विचारधारा केवल सर्वाधिकारवादी समाज में ही पाई जाती है क्योंकि वहां सब मनुष्यों को एक ही सांचे में ढालने की कोशिश की जाती है, मुक्त समाज में उसके लिए कोई जगह नहीं है। दुनिया के विकसित देशों को चुनौती देने वाला चीन विकास की नई इबारत तो गढ़ रहा है, लेकिन साथ ही उसे मानव अधिकारों को कुचलने से भी कोई गुरेज नहीं है, और न ही विश्व समुदाय उसे रोक पाया है। चीन से सबसे ज्यादा परेशान आसियान के देश रहे हैं, लेकिन वे भी चीन की आर्थिक नीतियों के जाल में फंसते जा रहे हैं। चीन ने आसियान देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते आरसीईपी यानी रीजनल कम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप कर कूटनीतिक और आर्थिक जीत हासिल कर ली है। इसे विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता बताया जा रहा है जो विश्व की 30 फीसद आबादी को जोड़ने का काम करेगा। कोरोना काल में चीन के खिलाफ मुखर होकर जांच की मांग करने वाला ऑस्ट्रेलिया भी आरसीईपी में शामिल हो गया है। जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड समेत आरसीईपी में दक्षिण-पूर्व एशिया के दस देश शामिल हैं। इनमें सिंगापुर, मलयेशिया, इंडोनेशिया और म्यांमार शामिल हैं। दुनिया के डेढ़ सौ से ज्यादा देश चीन से लिए कर्ज की गिरफ्त में फंसे हैं। हालात ये हैं कि चीन अब विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से भी बड़ा कर्जदाता बन गया है। इन सबके बीच यह बड़ा संकट है कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश चीन यह समझना ही नहीं चाहता कि आर्थिक समृद्धि और आर्थिक सुधार पर आधारित नीतियों से संपूर्ण मानव अधिकारों की सुरक्षा नहीं हो सकती, जबकि वैश्विक समुदाय लोकतांत्रिक अधिकारों को दरकिनार करने वाले चीन को रोकने में नाकाम रहा है। बहरहाल, वैश्विक स्तर पर चीन के बढ़ते प्रभाव से मानव अधिकार समूह दबाव में हैं, और वे चीन के खिलाफ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कई देशों की सरकारें उन्हें ऐसा करने से बलपूर्वक रोक देती हैं। ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देशों में हांगकांग और वीगर मुसलमानों को लेकर चीन की नीति की आलोचना की गई थी, लेकिन जैक कहां थे, और कब लौटेंगे, इसे लेकर न तो कोई प्रदर्शन हुए और न ही चीन पर दबाव बढ़ाया गया। विश्व समुदाय की यह चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है।

चर्चित चेहरा

बुलंद इरादों से हासिल अपना आकाश

जहां बेटियों में कुछ कर गुजरने का जुनून हो, मंजिलें उनके पास आ ही जाती हैं। सपने हकीकत बन ही जाते हैं। पिछले दिनों एयर इंडिया की सेन फ्रांसिस्को से बेंगलुरु तक की एक उड़ान सुर्खियों में रही। यह कोई सामान्य उड़ान नहीं थी, इस नॉन-स्टॉप उड़ान ने इतिहास रचा। सबसे महत्वपूर्ण बात कि कॉकपिट में सिर्फ बेटियां मोर्चा संभाले हुए थीं। दुनिया के सबसे लंबे रूट की इस यात्रा में ऐसा पहली बार हुआ कि महिला पायलटों ने उड़ान का संचालन किया हो। उससे महत्वपूर्ण बात यह कि उड़ान उत्तरी ध्रुव के ऊपर से होते हुए गुजरी, जहां एक समय 180 डिग्री का टर्न लेकर यात्रा में आगे बढ़ा जाता है। सफल उड़ान के कारण यह पहल दुनिया के इतिहास में दर्ज हो गई। टीम का नेतृत्व करने वाली जोया अग्रवाल आज सुर्खियों की सरताज है।

उत्तरी ध्रुव को पार कर बेंगलुरु पहुंचकर इतिहास रचने वाली टीम का देश में गर्मजोशी से स्वागत हुआ। पहली बार ऐसा हो रहा था कि महिला पायलट के नेतृत्व में महिला चालक दल वाली उड़ान उत्तरी ध्रुव के ऊपर से गुजर रही थी। पूरी टीम इस बात को लेकर खासी रोमांचित थी कि वे इस यात्रा से बनने वाले रिकॉर्ड का हिस्सा हैं। उत्साहित एयर इंडिया यात्रा की पल-पल की खबर सोशल मीडिया के जरिये लोगों को दे रही थी। जहां उड़ान की शुरुआत समारोहपूर्वक हुई, वहीं देश में उतरने पर चालक दल का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

निस्संदेह सही मायनो यह नारी शक्ति के सपनों की ऊंची उड़ान थी। विमान को उड़ाने वाला दल न केवल पेशेवर कौशल से परिपूर्ण अनुभवी था बल्कि आत्मविश्वास से भी भरा था। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-176 की नॉन-स्टॉप फ्लाइट ने सत्रह घंटे में यह यात्रा पूरी की। ?इस ऐतिहासिक उड़ान का नेतृत्व करने वाली जोया अग्रवाल की टीम में सहायक पायलट के रूप में कैप्टन थनमई पपागड़ी, कैप्टन आंकाक्षा सोनावड़े तथा कैप्टन शिवानी मन्हास भी शामिल थीं।

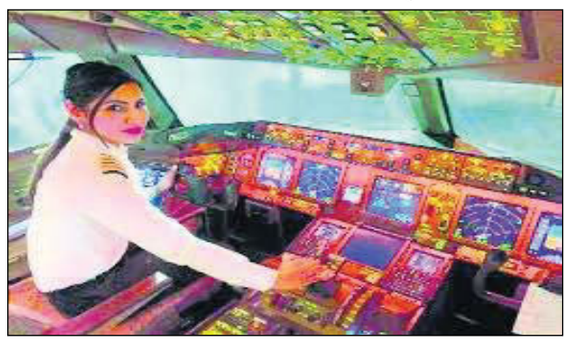

जोया बताती हैं कि दरअसल, इस ऊंची उड़ान का हमारा सपना काफी अर्से से हकीकत में बदलने की प्रतीक्षा में था जो पिछले साल खराब मौसम के कारण हकीकत न बन सका। अब जाकर दो सिलिकॉन वैलियों के बीच यह ऐतिहासिक उड़ान हकीकत बन पायी। जोया बताती हैं कि पहले भी लंबी उड़ान की यात्राएं होती थीं, कभी अटलांटिक महासागर के ऊपर से या फिर प्रशांत महासागर के ऊपर से, लेकिन उत्तरी ध्रुव के ऊपर से उड़ान भरना खास बात है। वे इस बात को अपनी खुशकिस्मती मानती हैं कि उन्हें उत्तरी ध्रुव ऊपर से देखने का मौका मिला, जिसके बारे में बहुत से लोग जानते तक नहीं हैं। मैं खुद को ?भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे ऐसे ऐतिहासिक अभियान का नेतृत्व करने का अवसर मिला जो विमानन इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जैसा ही है। इस इतिहास का हिस्सा बनने के लिये आम लोगों में खासी उत्सुकता थी। यही वजह थी कि 238 यात्रियों वाले जहाज में सभी सीटें समय से पहले भर गई थीं।?

दरअसल, कैप्टन जोया अग्रवाल एयर इंडिया की वरिष्ठ पायलट हैं। उनके पास लगभग आठ हजार घंटे की उड़ान का अनुभव है। इसके अलावा बतौर कमांडर बोइंग-777 हवाई जहाज उड़ाने का उनके पास दस साल से अधिक और ढाई हजार घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है।

जोया बताती हैं कि वह जब एयर इंडिया में पायलट बनीं तो घर-बाहर उन्हें सहजता से स्वीकार नहीं किया गया। यह पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र था। उन दिनों गिनी-चुनी महिला पायलट होती थी लेकिन छोटे होने के नाते पूरा सहयोग मिलता था। मन में यही संकल्प था कि कड़ी मेहनत करनी है। इस वजह से नहीं कि मैं महिला हूं बल्कि इस वजह से कि यह बहुत ही जवाबदेही का कार्य होता है।

अपने मां-बाप की इकलौती संतान जोया ने जब घर वालों को बताया था कि वह पायलट बनने जा रही है तो घर का वातावरण असहज हो गया था। मां तो भय से रो ही पड़ी थी।? कालांतर उन्होंने मेरी इच्छाओं सम्मान किया। वहीं वर्ष 2013 में वह जब बोइंग-777 की सबसे कम उम्र की कैप्टन बनी तो मां फिर रोई, लेकिन इस बार आंसू खुशी के थे।

जोया समेत पूरी टीम इस लक्ष्य को लेकर उत्साहित-रोमांचित थी कि वे एक विशिष्ट घटना का हिस्सा बनने जा रहे हैं। जोया खुद को भाग्यशाली मानती है कि वह विमानन के इतिहास में दर्ज होनी वाली उड़ान का हिस्सा बनी है जो दुनिया के दो विपरीत बिंदुओं को जोड़ने वाला सबसे तेज रूट है।

जोया कहती है कि लड़कियों को अपनी आकांक्षाओं के आकाश?को विस्तार देना चाहिए। हर किसी को अपना सपना देखना चाहिए, लेकिन साथ ही उस सपने को हकीकत में बदलने के लिये सक्षम भी बनना चाहिए। फिर नामुमकिन भी मुमकिन बन सकता है।?सामाजिक दबाव को दरकिनार करके ?खुद पर भरोसा करते हुए आगे बढ़ा जा सकता है। भारत में सबसे कम उम्र में बोइंग-777 को उड़ाने वाली जोया को उस समय भी सराहा गया था जब उन्होंने एक यात्री की जान बचाने के लिये दिल्ली हवाई अड्डे पर मध्य आकाश से आपातकालीन लैंडिंग कराई थी। साथ ही कोविड संकट में वंदे मातरम मिशन में भी उनके योगदान को सराहा गया।?

मुद्दा

विज्ञान एवं नवाचार नीति से अपेक्षा

इस में कोई दुविधा नहीं कि कोरोना के चलते साल 2021 पर विकास का बड़ा दबाव रहेगा। इसके लिए विज्ञान और अनुसंधान एवं विकास की राह सशक्त करनी होगी।

इसी दिशा में राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति (एसटीआईपी), 2020 का मसौदा देखा जा सकता है, जो 2013 की ऐसी ही नीति का स्थान लेगी। गौरतलब है कि यह मसौदा अनुसंधान और नवाचार क्षेत्र से संबंधित है, जिसके चलते लघु, मध्यम तथा दीर्घकालिक मिशन मोड परियोजनाओं में भी महत्त्वपूर्ण बदलाव संभव है।

देश के सामाजिक, आर्थिक विकास को प्रेरित करने के लिए शक्तियों और कमजोरियों की पहचान करना और उनका पता लगाना और साथ ही भारतीय एसटीआईपी पारिस्थितिकी तंत्र पर वैश्विक स्पर्धा में खड़ा करना आदि इसके उद्देश्यों में शामिल हैं। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने, विज्ञान और तकनीक व नवाचार को लेकर कोर्स पर जोर देने के साथ ही अकादमिक व पेशेवर संस्थाओं में लैंगिक एवं सामाजिक ऑडिट जैसे कई महत्त्वपूर्ण संदर्भ इस नीति में देखे जा सकते हैं। जाहिर है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने का यह मसौदा एक अवसर भी है। बीते वर्षो में भारत वैश्विक अनुसंधान एवं विकास हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। देश में मल्टीनेशनल रिसर्च एंड डवलपमेंट केंद्रों की संख्या 2010 में 721 थी जो अब 1150 तक पहुंच गई है, और वैश्विक नवाचार के मामले में 57वें स्थान पर है।

एसटीआईपी की नई नीति के मसौदों के प्रमुख बिंदुओं में निर्णय करने वाली सभी इकाइयों में महिलाओं का कम-से-कम 30 प्रतिशत प्रतिनिधित्व व लैंगिक समानता से जुड़े संवाद में लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर (एलजीबीटी) समुदाय को शामिल किए जाने का संदर्भ भी है। नीति में इस बात पर जोर है कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के तंत्र में समानता और समावेश और बुनियादी तत्व होंगे। इसमें महिला वैज्ञानिकों पर जोर है। नीति के प्रारूप के मुताबिक सरकार का इरादा है कि दुनिया की बेहतरीन मानी जाने वाली 3-4 हजार विज्ञान पत्रिकाओं पर एकमुश्त सब्सक्रिप्शन ले ले और देशवासियों को मुफ्त उपलब्ध कराए जो 'एक नेशन, एक सब्सक्रिप्शन' तर्ज पर होगा।

फिलहाल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इस पहल से विज्ञान सबके लिए संभव होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि विकास के पथ पर कोई देश तभी आगे बढ़ सकता है, जब उसकी भावी पीढ़ी के लिए सूचना, ज्ञान और शोध आधारित वातावरण बने। साथ ही, उच्च शिक्षा के स्तर में व्यापक सुधार और अनुसंधान के पर्याप्त साधन उपलब्ध हों। इसका हालिया उदाहरण भारत में कोविड-19 की रोकथाम के दो टीके का निर्माण देखा जा सकता है। बावजूद इसके शोध और नवाचार की अनवरत यात्रा प्रत्येक स्थान पर नहीं हुई है, जिसे लेकर देश को नये सिरे से नवाचार और विज्ञान को सरपट दौड़ाना ही होगा। इसी दिशा में उक्त मसौदा देखा जा सकता है।

शोध को लेकर दो प्रश्न मानस पटल पर उभरते हैं। प्रथम, क्या विश्व परिदृश्य में तेजी से बदलते घटनाक्रम के बीच शोध और नवाचार के विभिन्न संस्थान स्थिति के अनुसार बदल रहे हैं, दूसरा, क्या अर्थव्यवस्था, दक्षता और प्रतिस्पर्धा के प्रभाव में हाईटेक होने का लाभ शोध को मिल रहा है। वैसे विभिन्न विश्वविद्यालयों में शुरू में ज्ञान के सृजन का हस्तांतरण भूमंडलीय सीख और भूमंडलीय हिस्सेदारी के आधार पर हुआ था। 40-50 साल पहले की बात करें तो भारत में लगभग 50 प्रतिशत वैज्ञानिक अनुसंधान विश्वविद्यालयों में ही होते थे, लेकिन धीरे-धीरे धन की कमी होती चली गई। नतीजन, शोध भी पिछड़ गया।

पड़ताल बताती है कि अनुसंधान और विकास में भारत के सकल व्यय में वित्तीय वर्ष 2007-08 की तुलना में साल 2017-18 तक लगभग 3 गुना वृद्धि हुई। मगर अन्यों की तुलना में यह अधिक नहीं रहा। गौरतलब है कि ब्रिक्स देशों में भारत ने अपने जीडीपी का 0.7 फीसद ही अनुसंधान और विकास पर व्यय किया है जबकि अन्य देशों में ब्राजील ने 1.3 फीसद, रूस ने 1.1, चीन ने 2.1 और दक्षिण अफ्रीका ने 0.8 फीसद खर्च किया। दक्षिण कोरिया व इजराइल इस मामले में 4 फीसद से अधिक खर्च कर रहे हैं और अमेरिका को 2.8 फीसद पर देखा जा सकता है। बावजूद इसके भारत को अगले दशक में विज्ञान के क्षेत्र में तीन महशक्तियों में शामिल कराना नई नीति का लक्ष्य है। साथ ही, यह स्थानीय अनुसंधान और विकास क्षमताओं को बढ़ावा देने तथा चुनिंदा क्षेत्रों मसलन घरेलू उपकरणों, रेलवे, स्वच्छ तकनीक, रक्षा आदि में बड़े स्तर पर होने वाले आयात को कम करके बुनियादी ढांचा स्थापित करेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर होगा कन्वेन्शन सेन्टर का नाम : मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

संस्कारधानी के विकास में नहीं छोड़ी जाएगी कोई भी कसर: सीएम

जबलपुर के विकास को लगेंगे पंख , 238 करोड़ से अधिक की दी सौगात

जबलपुर (एजेंसी)।

जबलपुर में बन रहे कन्वेन्शन सेन्टर का नाम नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर रखा जायेगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर में नगरीय क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास एवं हितग्राही लाभ वितरण कार्यक्रम में की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि नेता जी इस शहर में ना केवल आये बल्कि 6 माह से अधिक अवधि तक वे जेल में देश की आजादी की लड़ाई के लिये रहे भी। श्री चौहान ने कहा कि नेताजी की जबलपुर से बहुत सी स्मृतियां जुड़ी हुई हैं। आज मैने उन स्मृतियों को देखा। हम नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जेल में पृथक से द्वार बनाकर, नेताजी जिस बैरक में रहे, वहां उनकी स्मृतियों को संवारने का काम करेंगे। एक चित्र प्रदर्शनी बनाई जाये, जिसमें नेताजी के जन्म से लेकर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को संजोया जाये। उनके जीवन को दर्शाती हुई एक डॉक्युमेन्ट्री फिल्म का निर्माण भी कराया जायेगा।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सांसद राकेश सिंह, विधायक अजय विश्नोई, नन्दिनी मरावी, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु एवं विधायक संजय यादव, जिला पंचायत की प्रशासकीय समिति की अध्यक्ष मनोरमा पटेल, पूर्व मंत्री अंचल सोनकर, हरेन्द्र जीत सिंह बब्बू एवं शरद जैन, विनोद गोंटिया, आशीष दुबे, अभिलाष पाण्डे, जीएस ठाकुर, रानू तिवारी, प्रतिभा सिंह, सुमित्रा वाल्मीक एवं दिलीप दुबे भी मौजूद रहे।

228 करोड़ की सौगातों का लोकार्पण

कार्यक्रम में जबलपुर शहर को 238 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात भी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दी। उन्होने विभिन्न कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संस्कारधानी को उसके अनुरुप विकसित करने में हम कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। जबलपुर के बिना मध्यप्रदेश की कल्पना नहीं की जा सकती। हम इसकी विशेषता को ध्यान में रखते हुये इसे विकसित करेंगे। मैं आज जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर जबलपुर के विकास की योजना बनाकर जाऊंगा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर नगरीय क्षेत्र में नगर निगम द्वारा किये जा रहे विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी मुख्यमंत्री ने किया।

खास बातें ...

- एक जिला एक उत्पाद के तहत जबलपुर जिले के लिये मटर का चयन किया गया है। यह जानकारी भी मुख्यमंत्री चौहान ने मंच से दी।
- प्रदेश सरकार द्वारा माफिया के खिलाफ छेड़े गये अभियान में जबलपुर की जनता का समर्थन भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मांगा। उन्होने कहा कि यह लड़ाई बिना जनता की ताकत के नहीं जीती जा सकती।
- जिला प्रशासन द्वारा माफिया के विरुद्ध की गई कार्यवाहियों कि सराहना की।
- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ऐसे गरीब, जिनके पास जमीन नहीं है, उन्हें पट्टा देकर मालिक बनाने की बात कही।
- आयुष्मान भारत योजना के बनने वाले कार्डों की जानकारी भी मंच पर ही कलेक्टर से मुख्यमंत्री ने ली।
- पीएम स्वनिधी योजना, आयुष्मान भारत योजना, पात्रता पर्ची, श्रमिक कार्ड वितरण सहित विभिा योजनाओं के हितलाभ का वितरण भी मुख्यमंत्री चौहान ने किया।

डुमना विमानतल पर हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर (एजेंसी)। *जबलपुर प्रवास पर आये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का शनिवार दोपहर करीब 2.15 बजे डुमना विमानतल पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया । विमानतल पर मुख्यमंत्री का स्वागत सांसद राकेश सिंह, विधायक अजय विश्नोई, विधायक नंदनी मरावी, विधायक सुशील तिवारी इंदु, पूर्व मंत्री अंचल सोनकर,हरेन्द्र जीत सिंह बब्बू एवं शरद जैन, विनोद गोंटिया, आशीष दुबे, सुमित्रा वाल्मीक, प्रतिभा सिंह, मनोरमा पटेल, अभिलाष पाडे,जीएस ठाकुर, रानू तिवारी, पूर्व महापौर प्रभात साहू, डॉ जीतेन्द्र जामदार, राममूर्ति मिश्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने आत्मीय स्वागत किया।*

मुख्यमंत्री चौहान मेहगंवा के चौधरी परिवार के घर पहुंचे

जबलपुर (एजेंसी)। *मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने शनिवार को अपने जबलपुर प्रवास की शुरुआत डुमना विमानतल मार्ग स्थित ग्राम मेहगंवा के चौधरी मोहल्ला निवासी अशोक चौधरी के घर चाय पीकर की। श्री चौहान जबलपुर पहुंचते ही सबसे पहले अशोक चौधरी के निवास पहुंचे। अशोक के घर मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर पूरा चौधरी परिवार काफी खुश था। बल्कि न केवल अशोक का परिवार बल्कि पूरा गांव ही मुख्यमंत्री के स्वागत में पलक पांवड़े बिछाये खड़ा था। मुख्यमंत्री के घर आने की सूचना पाकर खुशी से फूले नहीं समा रहे अशोक और उसकी पत्नी माला ने बड़े जतन से अपने छोटे से घर को सजा रखा था। पड़ोसियों ने भी इसमें उनका हाथ बंटाया। अशोक की पत्नी माला ने मुख्यमंत्री चौहान के लिये पोहा और भजिये भी बनाये थे। चौहान ने पोहा खाया और गरमागरम भजिये का स्वाद भी लिया। उन्होंने अशोक की छोटी बेटी खुशी को भी अपने हाथों से भजिए खिलाये। श्री चौहान ने खुशी की बड़ी बहन खुशबू और भाई अनुराग से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने आठवीं के बाद पढ़ाई छोड़ चुकी खुशबू को दोबारा स्कूल में एडमिशन लेकर पढ़ाई शुरू करने के लिये राजी भी किया। मुख्यमंत्री के साथ सांसद राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, श्री जीएस ठाकुर, रानू तिवारी, डॉ जीतेन्द्र जामदार भी मौजूद थे।*

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया कल्चरल एंड इनफार्मेशन सेंटर का अवलोकन

जबलपुर (एजेंसी)। *मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज शनिवार को कला एवं शिल्प के प्रदर्शन के लिए 58 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन अत्याधुनिक कल्चरल एण्ड इनफार्मेशन सेंटर का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने कल्चरल सेंटर में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के प्रेजेंटेशन को भी देखा। उन्होंने इसके निर्माण कार्य को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सांसद राकेश सिंह, विधायक अशोक रोहाणी, जीएस ठाकुर, रानू तिवारी, अभिलाष पांडेय और संभागायुक्त बी. चंद्रशेखर, कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा तथा स्मार्ट सिटी के सीईओ आशीष पाठक मौजूद थे। निर्माणाधीन कल्चरल एण्ड इनफार्मेशन सेंटर में सांस्कृतिक और सूचना केन्द्र बनाया जा रहा है। इसमें 900 सीटर ऑडिटोरियम में अत्याधुनिक ऑडियो विजुअल सुविधाओं के साथ व्हीआईपी लाउंज और प्रीफक्शन हॉल रहेगा। साथ ही 200 और 300 सीटर सेमिनार हॉल के अलावा 650 वर्गमीटर का प्रदर्शनी हॉल बनाया जा रहा है। यहां होटल ब्लाक, एनर्जी एफिसियेंसी 5 स्टार रेटेड प्रोजेक्ट के तहत छत पर 250 किलोवाट की संभावित सौर ऊर्जा सहित 40 हजार लीटर प्रतिवर्ष वर्षा जल के पुर्नभंडारण की व्यवस्था रहेगी। इस परिसर की संरचना मुख्यत- सार्वजनिक गतिविधियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समग्र दृष्टिकोण पर आधारित है। यहां पर्यटकों को जोड़ने एवं पर्यटन को बढ़ावा देने सहित विभिन्न कला, शिल्प और प्रदर्शन के माध्यम से मध्यप्रदेश की संस्कृति का प्रतिनिधित्व हो सकेगा।*

भाजयुमो ने नेता जी का प्रतीक चिन्ह मुख्यमंत्री को किया भेंट

सिहोरा, (एजेंसी)। *नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर जबलपुर पधारे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भारतीय जनता युवा मोर्चा ग्रामीण द्वारा अभिलाष पाण्डेय के नेतृत्व मे भाजयुमो ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल, नगर अध्यक्ष रंजीत पटेल के द्वारा ग्रामीण एवं शहर के युवा मोर्चा साथियों के साथ भव्य अगवानी कर स्वागत किया गया। इस मौके पर सुभाष चंद्र बोस के चित्र का प्रतीक चिन्ह भेंट कर पराक्रम दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल एवं नगर अध्यक्ष भाई रंजीत पटेल, टीटू सोनकर, राहुल त्रिपाठी, श्रीकांत परिहार, श्रीकांत वर्मा सहित, नगर एवं ग्रामीण के युवाओं की उपस्थिति रही।*

अर्पित शुक्ला को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी

जबलपुर (एजेंसी)।

मोदी यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर, राजस्थान द्वारा अर्पित शुक्ला को मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। अर्पित शुक्ला ने 'परफॉर्मेन्स इनवेस्टिगेशन एण्ड प्रोसेस ऑप्टीमाइजेशन ऑफ शुगर प्लांट इन इंडिया' सबजेक्ट मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर अपना शोध कार्य डॉ. सुधीर वाय कुमार के निर्देशन में पूर्ण किया। अखिलेश शुक्ला एवं सरोज शुक्ला के पुत्र अर्पित शुक्ला तक्षशिला इंजीनियरिंग कॉलेज में कोऑर्डिनेटर एकेडेमिक के पद पर कार्यरत् हैं। उन्होने अपने शोधकार्य में चीनी उत्पादन से संबंधित व्यर्थ उपोत्पादों जैसे बगैसेस, मोलेसेस एवं मलवे को पुनः इस्तेमाल कर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता बढ़ाने एवं मौजूदा चीनी उद्योग की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया है। आज देश जहां ऊर्जा के वैकल्पिक संसाधनों पर शोध किया जा रहा है, इस तारतम्य में डॉ. शुक्ला द्वारा किया गया यह शोध कार्य अनुकरणीय है एवं ऊर्जा आपूर्ति की देशव्यापी समस्या को प्रभावी रूप से सुलझाने में कारगर सिद्ध हो सकती है।

समर्पण निधि सहयोग लेने के लिए निरंतर चल रहा अभियान

जबलपुर, (एजेंसी)। श्री राम मंदिर निर्माण अभियान समर्पण निधि के आयोजन का संदेश आम जनमानस तक बड़ी ही तेजी से फैलता जा रहा है। अभियान महासंपर्क के दौरान गली, कॉलोनी और मोहल्ले के लोग संदेश सुनकर सहज ही अभियान समिति से जुड़कर अपना-अपना समर्पण निधि समर्पित करने का आग्रह तो कर ही रहे हैं, साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी एकत्रित कर, उन्हें राम मंदिर निर्माण अभियान समर्पण निधि समर्पित करने हेतु प्रेरित कर सहयोग रहे हैं। उक्त आशय के विचार विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन मंत्री एवं अखिल भारत राम मंदिर निर्माण अभियान के सह प्रमुख विनायक रावजी देशपांडे ने सदर स्थित सेवा बस्ती के पासी मोहल्ले में संपर्क अभियान के दौरान कहीं।

सेवा बस्ती सदर में बस्ती में संपर्क के दौरान संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, अभियान प्रमुख आलोक सिंह, सत्येंद्र सिंह, राजू राय, संतोष चौबे, विजय यादव सहित अन्य स्थानीय कार्यकर्तागण उपस्थित थे। इस दौरान सभी ने आम जनमानस से श्री राम मंदिर निर्माण अभियान से जोड़ने का आग्रह किया और अपना अपना समर्पण निधि प्रभु श्री राम के प्रति भक्ति के स्वरूप में समर्पित करने का भी आग्रह किया।

नगर निगम प्रांगण में निगमायुक्त करेंगे ध्वजारोहरण

जबलपुर, (एजेंसी)। 26 जनवरी 2021 दिन मंगलवार को गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर नगर निगम मुख्यालय में प्रातः 8:00 बजे निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह ध्वजारोहरण करेंगे। ध्वजारोहण समारोह के लिए अपर आयुक्त परमेश जलोटे के द्वारा समस्त विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारियों को उपस्थित रहने के आदेश जारी किये गए हैं। निगम प्रांगण में ध्वजारोहरण के पश्चात् सभी अधिकारी एवं कर्मचारी को पं रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में भी उपस्थित रहने के लिए अपर आयुक्त परमेश जलोटे के द्वारा निर्देशित किया गया है।

अमर शहीदों को दी जाएगी मौन श्रद्धांजलि

जबलपुर, (एजेंसी)। 30 जनवरी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस पर नगर निगम में प्रातः 11 बजे राष्ट्र के अमर शहीदों को राष्ट्र द्वारा मौन श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह ने समस्त विभागीय प्रमुख एवं कर्मचारियों को प्रातः 10:50 बजे निगम प्रांगण में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने एक आदेश जारी किए है।

अनुबंध किसी से बेची किसी और को

एडवांस की लाखों रुपए हड़पने वालों पर प्रकरण दर्ज

जबलपुर (एजेंसी)।

मदनमहल पुलिस ने अनुबंध करके किसी और को प्लाट बेचकर लाखों रुपए की राशि हड़पने वाले बाप-बेटे व एक दलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आमनपुर निवासी 29 वर्षीय मानसी चतुर्वेदी ने लिखित शिकायत दी कि जमीनों की दलाली करने वाले दिनेश साहू से उनकी मुलाकात हुई थी।

आठ लाख रुपए ले लिए

जिसने बेदीनगर निवासी गौरव मिश्रा से मिलवाया। जिसने सात हजार वर्ग फिट जमीन रिछाई की बेचने का सौदा तय किया। जो कि 330 रुपए वर्ग फिट के हिसाब से कुल 23 लाख 10 हजार रुपए में सौदा तय हुआ था। इसके बाद नवंबर 2018 में गौरव को एक लाख का चैक दिया, जिसने कहां आज चैक क्लियर नहीं होगा केस पीमेंट कर दो। कैस राशि दे दी, इसके बाद अलग-अलग तिथियों में गौरव व दिनेश साहू ने उससे 8 लाख रुपये ले लिये। जब रजिस्ट्री कराने जमीन की नापजोख कारयी तो पता चला कि सिर्फ 42 सौ वर्ग फिट जमीन ही बची है, 28 वर्गफिट किसी सोनी जी को विक्रय कर दी गई है।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

इसके बाद रजिस्ट्री कराने के नाम पर गौरव मिश्रा व उसका बाप अवध बिहारी मिश्रा आनाकानी करने लगे। समतीलीकरण के नाम पर ली गई राशि गौरव ने ऑनलाइन वापस कर दी, लेकिन 4 लाख 40 हजार रुपए एडवांस लेकर उक्त जमीन किसी और को बेच दी। शिकायत पर पुलिस ने गौरव मिश्रा व उसके पिता अवध बिहारी मिश्रा एवं दिनेश साहू के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

संगठित समाज ही बदलता है तस्वीर: सरावगी

सिहोरा, (एजेंसी)। समाज के अध्यक्ष गिरिधर सरावगी के मुख्यातिथ्य एवं महिला मंडल अध्यक्ष सुमन कनकने की अध्यक्षता में वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। गंजताल रोड स्थित हरिप्रकाश नौगरहिया के फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि सरावगी ने सामाजिक एकता पर बल देते हुए कहा कि संगठित समाज ही तस्वीर बदलता है । कार्यक्रम के द्वितीय चरण में समाज के मेधावी छात्रों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी कार्यक्रम में सह सचिव शैलेश नौगरहिया, कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, महिला कार्यकारिणी की विनोद नौगरहिया, तनु नौगरहिया, शशि किरण, साधना बहरे ,रीता नौगरहिया ,सुनीता बहरे, सुनीता कनकने, सुधा नौगरहिया, आशा बिलैया, गीता सरावगी ,मोनिका नौगरहिया एवं समस्त महिला मंडल की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

गंदगी फैलाने वालों पर नगर निगम निरंतर कर रहा कार्रवाई

जबलपुर (एजेंसी)। निगमायुक्त अनूप कुमार के निर्देशानुसार स्वच्छता एवं कोविड.19 के नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के विरूद्ध नगर निगम द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। निगमायुक्त अनूप कुमार सिंह के निर्देशानुसार सभी संभागों में बिना मास्क लगाये घूमने वाले और सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेक कर गंदगी फेलाने वाले 55 नागरिकों के विरूद्ध कार्रवाई की जाकर 9 हजार रुपए जुर्माने के रूप में वसूल कर निगम खजाने में जमा कराई गयी। इसी प्रकार नगर निगम के समस्त अपर आयुक्त, अधीक्षण यंत्री, समस्त कार्यपालन यंत्री, स्वच्छता प्रभारी, स्वास्थ्य अधिकारी के साथ साथ निगम के स्वच्छता अभियान में लगे अन्य आला अधिकारियों द्वारा भी शहर की साफसफाई व्यवस्थाओं का निरीक्षण लगातार किया जा रहा है। निगमायुक्त अनूप कुमार ने शहर के सभी नागरिकों से भी अपील की है कि स्वच्छ सर्वेक्षण प्रतियोगिता 2021 के लिए निगम प्रशासन के साथ भागीदारी करें और साकारात्मक फीडबैक देकर जबलपुर का नाम नम्बर वन स्थान पर पहुंचाने हेतु अपना बहूमूल्य सहयोग दें। निगमायुक्त ने यह भी अपील की है कि स्वच्छता अभियान की सफलता आप सभी के सहयोग के बिना हासिल नहीं की जा सकती है। इसलिए आप सभी से आग्रह है कि कचरा यहॉ वहॉ न फेककर घर के डस्टबिन में ही रखें और निगम की कचरा गाडी आने पर उसे दें।

हर साल पांच विद्यार्थियों को मिलेगा नेताजी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम पुरस्कार

मुख्यमंत्री ने नेताजी की जयंती पर की घोषणा

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा है कि पराक्रमपूर्ण तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदेश के पांच विद्यार्थियों को प्रति वर्ष नेताजी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

श्री चौहान ने यह घोषणा शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कही। मुख्यमंत्री ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए कहा कि देश को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए नेताजी ने विदेश जाकर आजाद हिंद फौज का गठन किया। इस पराक्रम के परिणामस्वरूप अंग्रेज देश छोड़ने के लिए विवश हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को प्रति वर्ष पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस अवसर पर सांसद तथा भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, प्रदेश भाजपा महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर तथा स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे।

नेताजी के रास्ते पर चलकर देश को सक्षम और सशक्त बना रहे मोदी : शर्मा

भोपाल, (रासं)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के बताए रास्ते पर चलकर देश को सक्षम, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया है।

श्री शर्मा ने नेताजी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि नेताजी की 125वीं जयंती को पूरे देश में पराक्रम दिवस के रूप में मनाई जा रही है। भोपाल में 7 नंबर स्टॉप पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के समीप नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण कर नेताजी की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया। इस अवसर पर पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, विधायक कृष्णा गौर उपस्थित थीं। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है और आज पूरा देश पराक्रम दिवस मना रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा, देश की जनता और नौजवानों ने अपने गांव, क्षेत्र, प्रदेश और देश को आत्मिनर्भर बनाने का संकल्प लिया है। आज नेताजी की जयंती पर हमें यह सोचना होगा कि देश को आगे ले जाने में हमारी भूमिका क्या हो सकती है।

अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है कांग्रेस

श्री शर्मा ने कांग्रेस के आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है। अपना अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद में कांग्रेस किसानों के नाम पर आंदोलन कर रही है, लेकिन देश के किसानों को कांग्रेस के इन आंदोलनों से कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। देश के किसान बता चुके हैं कि वे कृषि कानूनों के समर्थन में हैं और भाजपा के साथ खड़े हैं।

शनिवार को भोपाल में कृषि कानूनों के विरोध में आयोजित कांग्रेस के प्रदेशव्यापी आंदोलन को संबोधित करते पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ।

कृषि कानूनों के विरोध में कांग्रेस ने किया राजभवन घेरने का प्रयास

पुलिस ने लाठीचार्ज, वाटर कैनन और अश्रुगैस के गोले छोड़कर कांग्रेसियों को खदेड़ा

भोपाल (एजेंसी)। केंद सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों के विरोध में प्रदेश कांग्रेस ने शनिवार को राजधानी भोपाल में जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने आंदोलन कर रहे नेताओं और कार्यकताओं को अश्रु गैस, वाटर कैनन एवं लाठीचार्ज करके खदेड़ा। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव और अन्य कांग्रेस नेताओं ने गिरफ्तारियां भी दीं।

दिग्विजय सिंह, अरुण यादव और कुणाल चौधरी समेत कई नेताओं ने दीं गिरफ्तारियां

इसके पहले यहां जवाहर चौक पर मंच से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, सुरेश पचौरी, अरुण यादव एवं कांतिलाल भूरिया ने संबोधित करते हुए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार को किसान विरोधी बताते हुए जमकर कोसा एवं तीनों कृषि कानूनों को वापस लिये जाने तक किसानों के समर्थन में आंदोलन करने की बात कही। श्री कमलनाथ ने कहा कि इन कानूनों के कारण किसान अपनी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नहीं बेच सकेंगे। व्यापारियों और बड़े उद्योगपतियों के आगे किसान मजबूर हो जाएंगे। इसलिए कांग्रेस दिल्ली में आंदोलनरत किसानों की मांगों के साथ है और कानून वापस लिए जाने चाहिए।

संबोधन के बाद कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जुलूस के रूप में राजभवन की ओर बढ़ रहे थे, तभी रंगमहल टॉकीज चौराहे पर बेरिकेटस लगाकर कांग्रेस जनों को रोकने का प्रयास पुलिस द्वारा किया गया, जिसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असफल कर दिया। इसके बाद रोशनपुरा चौराहे के पहले ही बेरीकेड्स लगाए बैठी पुलिस ने उन्हें रोक लिया और आगे नहीं बढ़ने दिया। इस दौरान पुलिस ने अश्रुगैस के गोले छोड़े और वॉटर कैनन का उपयोग किया। कुछ कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। इससे पूर्व रोशनपुरा चौराहे पर ही पुलिस ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, विधायक कुणाल चौधरी और अन्य नेताओं तथा कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की घोषणा की। बाद में इन सभी को रिहा भी कर दिया गया। इसके बाद भी जब कांग्रेस के कार्यकर्ता पुलिस द्वारा लगाए गए बेरिकेट्स पर चढ़कर आगे बढ़ने का प्रयास करने लगे तो पुलिस ने अश्रुगैस, वाटर केनन का प्रयोग करते हुए कार्याकर्ताओं को खदेड़ा।

मीडिया कर्मी सहित कई कार्यकर्ता हुए घायल : इस दौरान कई कांग्रेसी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीजार्च में कई कार्यकर्ता घायल हो गए। पुलिस द्वारा अश्रुगैस छोड़ने से एक मीडियाकर्मी भी घायल हो गया।

शिवराज सरकार के इशारे पर पुलिस ने किया कांग्रेसियों पर लाठीचार्ज : कमलनाथ

इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट करके आरोप लगाया है कि भोपाल में शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे किसानों और कांग्रेसियों पर पुलिस ने शिवराज सरकार के इशारे पर लाठीचार्ज, अश्रुगैस और वॉटर कैनन छोड़े। उन्होंने इसकी निंदा करते हुए कहा कि हम कांग्रेसी इससे डरने वाले नहीं हैं। हम लोगों का संघर्ष इसी तरह जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि लाठीचार्ज में अनेक किसान और कांग्रेसजन घायल हुए हैं।

न्यू मार्केट की अधिकांश दुकानें रहीं बंद: कांग्रेस के आंदोलन को लेकर न्यू मार्केट की रोशनपुरा चौराहे तक स्थित दुकानें अधिकांश तौर पर बंद रहीं। हालांकि आंदोलन समाप्त होने के बाद व्यापारियों ने दुकानें खोल लीं।

पीसी शर्मा समेत करीब डेढ़ हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दो प्रकरण दर्ज: टीटी नगर पुलिस ने इस मामले को लेकर दो अलग-अलग मामलों में बलवा, शासकीय कार्य में बाधा डालने और अन्य धाराओं के तहत पीसी शर्मा, कैलाश मिश्रा, राजेश सिंह, दिनेश सिंह, रामशरण राणा व अन्य करीब डेढ़ हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और उनके बेटे जयवर्धन सिंह समेत अन्य नामजद प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

कृषि में आर्गेनिक प्रक्रियाओं पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री के सामने हुआ प्रस्तुतीकरण

प्रदेश में चरणबद्ध क्रियान्वित होगा आर्गेनिक मिशन: आनंदीबेन

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगा यह मिशन

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संपूर्ण प्रदेश में आर्गेनिक मिशन के संचालन की आवश्यकता पर जोर देते हुए शनिवार को कहा कि प्रदेश के प्राकृतिक स्वरूप को देखते हुए इसका हरसंभव विस्तार किया जाना चाहिए।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्रीमती पटेल राजभवन में आर्गेनिक मिशन पर केंद्रित प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण प्रदेश में आर्गेनिक मिशन के संचालन की आवश्यकता है। प्रस्तुतीकरण के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कृषि में आर्गेनिक उर्वरकों के उपयोग से कृषि लागत कम कर कृषकों की आय में वृद्धि पर केंद्रित आर्गेनिक मिशन अभिनंदनीय है। मध्यप्रदेश में पशुधन, देश में सर्वाधिक है, दुग्ध उत्पादन में हम तीसरे नंबर पर हैं। अतः यह मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप राज्य शासन द्वारा विकसित आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने प्रारंभिक चरण में आगर-मालवा स्थित सालरिया गौशाला में प्रोजेक्ट क्रियान्वित करने पर सहमति दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अन्य गौ-शालाओं में चरणबद्ध रूप से मिशन क्रियान्वित किया जाएगा। प्रदेश के कुछ गाँवों को आदर्श आर्गेनिक ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे ग्रामीणों को आर्गेनिक प्रक्रियाएं अपनाने में मदद मिलेगी और वे इसके लाभ से भी परिचित हो सकेंगे। श्री चौहान ने आदिवासी तथा वन क्षेत्रों में रासायनिक खाद तथा कीटनाशक के प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए जन-जागरण अभियान चलाने की आवश्यकता बताई।

डॉ. पटेल ने दिया प्रोजेक्ट संबंधी प्रस्तुतीकरण: प्रारंभ में राजभवन में अहमदाबाद के डॉ. भरत जे पटेल द्वारा आर्गेनिक उर्वरकों के उपयोग से कृषि की लागत कम करने तथा कृषकों की आय बढ़ाने पर केंद्रित प्रोजेक्ट संबंधी प्रस्तुतीकरण दिया गया। डॉ पटेल द्वारा रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों का उपयोग कम कर आर्गेनिक उर्वरक के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए गुजरात और उत्तरप्रदेश में परियोजना संचालित की जा रही है। इस अवसर पर किसान-कल्याण एवं कृषि मंत्री कमल पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

शनिवार को भोपाल स्थित राजभवन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के समक्ष भारत बायोगैस एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन भरत पटेल ने जैविक खेती एवं बायोगैस के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल, पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल, और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया भी उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार ने विभागों के खर्च पर से रोक हटाई

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश सरकार ने विभागों के खर्च पर रोक हटा दी है। कोरोना काल में पहली बार ये रोक हटी है। वित्त विभाग द्वारा 20 प्रतिशत खर्च को प्रतिबंध से मुक्त कर दिया गया है। इसके बाद अब लोक निर्माण विभाग सहित सभी बड़े विभाग अगले तीन माह में खुलकर खर्च कर सकेंगे।

वित्त विभाग ने 20 प्रतिशत खर्च के प्रतिबंध से किया मुक्त

प्रदेश सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि समस्त पूंजीगत मदों में प्रावधानिक बजट से कटौती की गई 20 प्रतिशत राशि विमुक्त की जाती है। इसके बाद पूंजीगत मदों पर त्रैमासिक व्यय सीमा लागू नहीं होगी। इसका मतलब ये हुआ कि यदि किसी मद ये यदि 100 रुपए का बजट प्रावधान किया गया था तो 20 प्रतिशत कटौती के बाद विभाग को 80 रुपए की राशि का बजट प्राप्त हुआ था। इस 80 रुपए में विभाग को चौथी तिमाही में अधिकतम आवंटित बजट का 30 प्रतिशत यानी 24 रुपए खर्च करने की पात्रता थी। अब इस 30 प्रतिशत राशि की कटौती को मुक्त करने के बाद विभाग के पास 100 रुपए में से चौथी तिमाही में खर्च करने की अधिकतम सीमा 24 में 20 जोड़कर 44 रुपए हो जाएगी। इस आदेश का लाभ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, स्कूल शिक्षा सहित अन्य कई विभागों को मिलेगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया घेराव तो कृषि मंत्री पटेल ने लगा ली चौपाल

कृषि मंत्री ने समझा दिया फायदे का गणित

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर से भोपाल आ रहे किसान नेता एवं कृषि मंत्री कमल पटेल का भोपाल हाईवे के जावर रोड जोड़ पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घेराव कर दिया। कृषि मंत्री इस घेराव के चलते यहां रुके और किसानों की चौपाल लगाकर कृषि कानूनों के फायदे बताने लगे, कांग्रेस कार्यकर्ताओं का यह जत्था कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन के लिए भोपाल जा रहा था।

घेराव के चौपाल में बदल जाने पर प्रदर्शनकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कृषि कानूनों को लेकर अपनी जिज्ञासाओं और आपत्तियों को लेकर सवाल किए। कृषि मंत्री कमल पटेल ने विस्तार से उदाहरण देते हुए बताया कि कृषि कानूनों से किसानों को वह फायदा भी मिलेगा जो अब तक केवल व्यापारी उठाते रहे हैं। कृषि मंत्री पटेल ने हाईवे के रेस्टोरेंट पर चिप्स और इसी तरह के अन्य उत्पादों के पाउच लेकर उनकी कीमतों की कृषि उत्पादों के मूल्य से तुलना करते हुए बताया कि किसान फसल उगाने के साथ इस तरह के उत्पाद स्वयं तैयार कर एमआरपी पर बेच सकता है। कृषि मंत्री पटेल ने कहा कि अब तक किसानों को यह सुविधा नहीं थी इसलिए वह केवल फसल उगाने और बेच देने तक सीमित थे, किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त दाम नहीं मिल रहा था इसलिए खेती लाभ का धंधा नहीं बन पा रही थी। तीन नए कृषि कानूनों और प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना से किसानों को अब खेती के साथ व्यापार करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी और देश का किसान समृद्ध होगा।

भोपाल में कांग्रेस पार्टी का नए कृषि कानूनों को लेकर राजभवन का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कृषि मंत्री कमल पटेल ने अपने तर्कों से निरुत्तर कर दिया। घेराव करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता किसान नेता कमल पटेल द्वारा बताए गए तर्कों पर सहमति जताते हुए नजर आए। कृषि मंत्री पटेल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर सहमति और विरोध अपनी जगह है, लेकिन बात जहां किसानों के फायदे की हो हम सभी को साथ आना चाहिए।

शीतकालीन सत्र निरस्त कराने के मामले में स्वास्थ्य विभाग के तीन अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

भोपाल (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ ने मध्यप्रदेश विधानसभा के प्राटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा को पत्र लिख कर स्वास्थ विभाग के अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान, विभाग के आयुक्त डॉ. संजय गोयल, सीएमएचओ भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी एवं अन्य संबधितों के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने अपने पत्र में विगत वर्ष 28 दिसंबर 2020 से 30 दिसंबर 2020 तक आहूत होने वाले शीतकालीन सत्र को निरस्त कराने में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ एव परिवार कल्याण विभाग मोहम्मद सुलेमान, विभाग के आयुक्त डॉ. संजय गोयल, सीएमएचओ भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी की भूमिका को पूर्णतया संदिग्ध और साजिश पूर्ण बताया है। कमलनाथ ने अपने पत्र में इन तीनों अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि इन तीनों ने मिलकर स्वयं के स्तर पर या किसी से प्राप्त निर्देशों के तहत संविधानिक रूप से 27 नबंवर 2020 को मप्र विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी सत्र की अधिसूचना को निरस्त करने में भूमिका अदा की। इसके लिए इन अधिकारियों ने विस सचिवालय और विधायक विश्राम गृह में फर्जी कोरोना जांच की साजिश रची।

नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ ने लिखा प्रोटेम स्पीकर को पत्र

सर्वदलीय बैठक में कोरोना पीड़ितों के गलत आकंड़े प्रस्तुत किए और कई तथ्य छिपाकर इन अधिकारियों ने भारतीय संविधान के अंतर्गत निष्ठा एवं ईमानदारी की शपथ का उल्लघंन किया है, और जन हित, लोकहित के विरुद्ध कार्य किया है और प्रदेश के गठन के समय से शीतकानील सत्र की चली आ रही परंपरा में व्यवधान डालकर संविधानिक रूप से आहुत सत्र में भाग लेने के सदस्यों के विशेषाधिकारों का हनन किया है। सदन की स्वायत्ता सर्वोच्चता में हस्तक्षेप किया और अपने कृत्यों एवं असत्य कथनों से सदन की अवमानना भी की है। नेता प्रतिपक्ष ने अपने पत्र में इन्हीं सब बातों का उल्लेख करते हुए कार्यवाही की मांग की है।

मुख्यमंत्री आज करेंगे 'पंख अभियान' का शुभारंभ

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राष्ट्रीय बालिका दिवस, 24 जनवरी को किशोरी बालिकाओं की सुरक्षा, जागरूकता, जानकारी, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जोड़ने के लिए 'पंख अभियान' की शुरूआत करेंगे। श्री चौहान 24 जनवरी को मिंटो हाल में दोपहर 12 बजे इस अभियान का शुभारंभ करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 501 आंगनबाड़ी केंद्र और 12 वन स्टाप सेंटर का वर्चुअल लोकार्पण भी करेंगे। श्री चौहान लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत बालिकाओं को छात्रवृत्ति और मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को राशि भी अंतरित करेंगे। मुख्यमंत्री शौर्या दल की दो बालिकाओं, वनस्टाप सेंटर की एक महिला और एक प्रशासक तथा दो लाड़ली लक्ष्मियों से लाइव टेलीकास्ट के माध्यम से संवाद भी करेंगे। राष्ट्रीय बालिका दिवस के कार्यक्रम को वेबलिंक/आकाशवाणी, दूरदर्शन के माध्यम से सभी आंगनबाड़ी केंद्रों, परियोजना कार्यालय, जिला कार्यालय, वन स्टाप सेंटर, एकीकृत बाल संरक्षण योजना संबंधी संस्थाओं के लगभग 25 लाख से ज्यादा प्रतिभागी सम्मिलित होंगे।

पशुपालन के क्षेत्र में आएगी क्रांति : डॉ. मिश्रा

दतिया में 13 करोड़ 42 लाख के सीमेन स्टेशन का किया लोकार्पण

भोपाल (एजेंसी)। पशुओं की नस्ल में सुधार और दुग्ध उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि से पशुपालकों का आर्थिक सशक्तिकरण होगा। दतिया और आसपास के 17 जिलों के पशुपालक होंगे लाभान्वित।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया जिले के नौनेर में 13 करोड़ 42 लाख की लागत से नव-निर्मित सीमेन स्टेशन (वीर्य संस्थान) के लोकार्पण अवसर पर यह बात कही। उन्होंने सीमेन स्टेशन का भ्रमण कर अवलोकन भी किया। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि अंचल के 17 जिलों के किसान एवं पशुपालक अपने पशुओं की नस्ल के सुधार और उन्नत किस्म के पशुओं के लिये सीमेन स्टेशन का लाभ ले सकेंगे। इस स्टेशन पर गिर, साहिवाल, थारापरकर, मुर्रा के साथ संकर जर्सी और एचएफ नस्लों के सीमेन उत्पादन के लिए लगभग 60 सांडों को रखा जाएगा। स्टेशन में अप्रैल-2021 से सीमेन उत्पादन एवं प्र-संस्करण का कार्य शुरू हो जाएगा। यहां प्रतिवर्ष पांच लाख फ्रोजन सीमेन डोज का उत्पादन होगा। उत्पादन में बॉयो सिक्यूरिटी के मापदण्डों का पालन किया जाएगा और भारत सरकार द्वारा जारी एमएसपी अनुसार संचालन होगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि यह स्टेशन प्रदेश का दूसरा वृहद सीमेन स्टेशन है, जो 50 एकड़ भूमि पर स्थापित किया गया है। इस अवसर पर प्रबंध संचालक राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम एसपीएस भदौरिया, पूर्व विधायक द्वय डॉ. आशाराम अहिरवार एवं प्रदीप अग्रवाल एवं किसान बंधु व अधिकारीगण मौजूद थे।

'पठान' लुक में शाहरुख खान की सामने आयी शानदार तस्वीर

शाहरुख खान ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के लिए खुद की एक नई फोटो शेयर की। तस्वीर में किंग खान को काफी नये लुक में देखा जा सकता है। शाहरुख खान इस समय अपनी आने वाली फिल्म 'पठान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी हैं। तस्वीर में आप शाहरुख खान को पठान वाले लुक में ही स्नूकर के खेल का आनंद लेते देखा जा सकता है।

यशराज प्रोडक्शन, फिल्म में शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम की प्रमुख भूमिकाएँ हैं। फिल्म सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित है। जीरो की असफलता के बाद शाहरुख बड़े पर्दे पर पठान से वापसी कर रहे हैं। फिल्म जीरो से शाहरुख खान को काफी उम्मीद थी लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ अनुष्का शर्मा और कैटरीना कैफ ने भी अभिनय किया था।

या खतरे में हैं दिशा ाटनी की जान?

ीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी हॉट तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब दिशा पाटनी को लेकर हाल ही में एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खबरों की मानें तो दिशा पाटनी की जान खतरे में हैं।

या जा रहा है कि दिशा पाटनी को पाकिस्तान से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इस बारे में तेलुगु पोर्टल ने अपनी लेटेस्ट रिपोर्ट के जरिए जानकारी दी है। रिपोर्ट का दावा है कि 'एमएस धोनी' एक्ट्रेस को कई दिनों से फोन कॉल्स के जरिए धमकियां दी जा रही हैं बताया जा रहा है कि ये धमकियां दिशा को पाकिस्तान के एक नंबर से मिल रही है। दिशा पाटनी ही नहीं, बल्कि पुलिस स्टेशन को भी ऐसे कॉल्स आए हैं जिसमें कहा जा रहा है कि दिशा पाटनी की जान खतरे में हैं। कॉल में कहा गया है, 'एकाउंट करो जल्दी, जल्दी... तेरा लड़की (दिशा पाटनी) नहीं बचेगा।'

ा पाटनी के वर्क फ्रंट की बात करे तो वह जल्द ही सलमान खान के साथ 'राधे- यॉर मोस्ट वॉन्टेड भाई' में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म इसी साल ईद के मौके पर सिनेमाघर पहुंचने वाली है।

ादी की सालगिरह पर ऋषि कपूर को याद कर ावुक हुईं नीतू कपूर

गत बॉलीवुड अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू कपूर की 22 जनवरी को 41वीं शादी की सालगिरह हैं। ऋषि कपूर आज हमारे बीच मौजूद नहीं हैं पिछले साल उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। लेकिन उनके लाखों-करोड़ों फैंस आज भी उन्हें याद कर रहे हैं।

ी की सालगिरह के मौके पर नीतू ने ऋषि कपूर की याद में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर किया। नीतू ने वेडिंग एनिवर्सरी के मौके पर भावुक होकर ऋषि के साथ वीडियो शेयर किया हैं। जिसमें नीतू ने इमोशनल गाने के साथ अपने प्यार की यादों को ताजा किया। वीडियो में नीतू ने ऋषि के कुछ यादगार लम्हों को शेयर किया हैं और वीडियो के बैकग्राउंड में उन्होंने 'हम हैं इस पल यहां' का गाना लगाया हुआ हैं। साथ ही नीतू ने टूटे हुए दिल के इमोजी के साथ शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज 41 साल पूरे हुए होते। इस इमोशनल पोस्ट के जरिए अंदाजा लगाया जा सकता हैं नीतू ऋषि को कितना याद कर रही हैं। उनकी इस पोस्ट से उनका दर्द छलक रहा हैं। कुछ ही मिनटों में इस वीडियो पर बेहिसाब लाइक्स और शेयर्स आ गए हैं।

दें की ऋषि कपूर का बीते साल 30 अप्रैल को निधन हो गया था। ऋषि कपूर कैंसर से पीडित थे। उनका इलाज न्यूयॉर्क में तकरीबन 1 साल से वक्त चल रहा था। बीमारी के दौरान पूरे वक्त उनकी पत्नी नीतू उनके साथ बनी रहीं।

अमेरिका के स्कूल में प्रियंका चोपड़ा के रंग को लेकर मजाक उड़ाती थीं लड़कियां

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इसके अलावा प्रियंका जल्द ही अपनी किताब Unfinished को लॉन्च करने वाली हैं। उन्होंने अपने वर्चुअल बुक टूर की शुरुआत कर दी है। ऐसे में प्रियंका चोपड़ा ने अपनी जिंदगी के उस समय के बारे में खुलासा किया जब उन्हें भारतीय होने की वजह बुली किया जाता था। एक्ट्रेस का एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया था कि कभी अमेरिका में उनका रंग को लेकर मजाक उड़ा था और ये मजाक कोई और नहीं बल्कि उनके अमेरिकन स्कूल की लड़कियां ही उड़ाया करती थीं, जिसके बाद वो विदेश से पढ़ाई छोड़कर अपने वतन भारत लौट आई थीं। प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि जब वो अमेरिका आंटी के साथ पढ़ाई के लिए गई थीं तो उनकी उम्र 13 साल थी। वहां, वो 3 सालों तक रही थीं। जब वो अमेरिका गई थीं तो वह थोड़ी सांवली थीं। इसके चलते लड़कियां उनका मजाक उड़ाया करती थीं। इतना ही नहीं उन्हें भारतीय होने की वजह से बुली कहा जाता था। प्रियंका ने बताया था कि उन्हें कहा जाता था-ब्राउनी, तुम अपने देश वापस लौट आओ।' इसके साथ ही उन्होंने अपने साथ हुई बदसलूकी के बारे में भी बताया। प्रियंका ने कहा कि 'इन वजहों से उन्होंने अपना आत्मविश्वास खो दिया था और इन बातों ने उनके कॉन्फिडेंट को हिला कर रख दिया था, जिसके चलते उन्होंने अपने माता-पिता के वापस लौटने का फैसला ले लिया।' अमेरिका का स्कूल छोड़कर प्रियंका वापस भारत लौट आईं और फिर उन्होंने आगे की पढ़ाई बरेली के आर्मी स्कूल में पूरी की। इसके बाद एक्ट्रेस की मां ने उनकी कुछ तस्वीरें फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड के लिए भेज दी और फिर वो कुछ इस तरह से मिस वर्ल्ड का हिस्सा बनीं और उन्होंने मिस वर्ल्ड 2000 का खिताब जीत लिया। इसके बाद प्रियंका ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

रणबीर कपूर की 'एनिमल' में परिणीति चोपड़ा निभाएंगी यह किरदार!

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों अपने कई प्रोजेक्ट में बिजी है। 1 जनवरी को रणबीर की आने वाली फिल्म 'एनिमल' का ऐलान किया गया है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के साथ अनिल कपूर, परिणीति चोपड़ा और बॉबी देओल भी नजर आएंगे।

ताजा खबरों के अनुसार संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनने जा रही 'एनिमल' में परिणीति चोपड़ा रणबीर कपूर की पत्नी की किरदार निभाएंगी। पिंकविल की रिपोर्ट के मुताबिक यह एक गैंगस्टर ड्रामा है। सूत्र ने कहा, परिणीति फिल्म में रणबीर की पत्नी की भूमिका निभाने जा रही हैं जबकि अनिल कपूर उनके पिता के किरदार में दिखाई देंगे। इस खबर के सामने आने के बाद से ही फैंस रणबीर कपूर और परिणीति चोपड़ा की जोड़ी को बड़े परदे पर देखने के लिए बेताब हैं।

रणबीर कपूर इस फिल्म के अलावा बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के कारण भी सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस फिल्म में भी रणबीर कपूर पहली बार अपनी गर्लफ्रेंड आलिया भट्ट के साथ नजर आएंगे। उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म इस साल

संगीन की शूटिंग के लिए लंदन गए नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपनी बेहतरीन अदाकारी से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी अगली फिल्म 'संगीन' की शूटिंग के लिए लंदन गए हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर दी है। नवाजुद्दीन की अगली फिल्म 'संगीन' की शूटिंग शुरू होते ही फैंस की उत्सुकता बढ़ गई है। नवाजुद्दीन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो लैक स्वेटशर्ट, लैक कैप और लैक मास्क पहने हुए दिख रहे हैं। वह हेडफोन लगाए हुए भी नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ नवाजुद्दीन ने कैप्शन में लिखा, 'लंदन जा रहा हूं। मुझे पता है कि वहां या हालात हैं, लेकिन.'द शो मस्ट गो ऑन।'

गौरतलब है कि लंदन में कोरोनावायरस के नए स्ट्रेन मिलने के बाद वहां के हालात स्थिर नहीं हैं। चर्चित फिल्म निर्माता व निर्देशक जयदीप चोपड़ा के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में नवाजुद्दीन के साथ एलनाज नौरोजी नजर आएंगी। ईरान मूल की एट्रेस एलनाज नौरोजी इससे पहले फेमस वेब सीरीज 'सेक्रेड ग्रेस' में भी नवाजुद्दीन के साथ काम कर चुकी हैं। नवाजुद्दीन ने फिल्म 'संगीन' को एक अनूठी फिल्म बताया है। उन्होंने कहा कि वह एक थ्रिलर फिल्म करने जा रहे हैं, जो लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी। वहीं, इस फिल्म की को-स्टार नौरोजी ने कहा, फिल्म 'संगीन' की पटकथा अविश्वसनीय है। इस फिल्म में जो भूमिका मुझे मिल रही है, उसका सपना मैं हमेशा देखती हूं। मैं उस जटिल चरित्र को जीवंत करने के लिए उत्सुक हूं, जिसे जयदीप सर ने इतनी कुशलता से लिखा है। नवाजुद्दीन फिल्म 'संगीन' के अलावा कुशन नंदी की फिल्म 'जोगिरा सा रा रा' और मुस्तफा सरवर फारूकी की फिल्म 'नो लैंड्स मैन' में दिखाई देंगे। इससे पहले लॉकडाउन के दौरान ही नवाजुद्दीन की फिल्म 'रात अकेली है' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

इंडियन वुमन्स हॉकी टीम की हारः अर्जेंटीना की बी टीम 2-1 से जीती; भारत को 26 जनवरी से सीनियर टीम से 4 मैच की सीरीज खेलना है

अर्जेंटीना । इंडियन वुमन्स हॉकी टीम को अर्जेंटीना दौरे पर पहली हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को अर्जेंटीना की बी टीम ने 2-1 से हराया। अर्जेंटीना की ओर से सोल पगेल्ला और अगस्टिना गोरज़ेलानी ने गोल किया। जबकि भारतीय टीम की ओर से सलीमा टेटे ने गोल किया।

मैच के छठे मिनट में एक के बाद एक अर्जेंटीना को पेनाल्टी मिले, लेकिन भारतीय गोलकीपर रजनी ने बेहतर बचाव किया। मैच के 11 वें मिनट में अर्जेंटीना की सोल पगेल्ला ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। मैच के 23 वें मिनट में भारतीय ड्रैगफ्लिकर गुरजीत सिंह ने गोल का प्रयास किया, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर ने इसे रोक लिया। इसके बाद मैच के 43 वें और 51 वें मिनट में भी टीम को मौके मिले, लेकिन टीम गोल करने में सफल

नहीं हो सकी। 54 वें मिनट में सलीमा टेटे ने गोल कर स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। वहीं मैच के 57 वें मिनट में अर्जेंटीना की गोरज़ेलानी ने गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिलाई।

जूनियर टीम के साथ दोनों मैच ड्रॉ रहा

भारतीय वुमन टीम को अर्जेंटीना दौरे पर सीनियर टीम के साथ चार मैचों की सीरीज का पहला मैच 26 जनवरी से खेलने हैं। उससे पहले उन्हें जूनियर टीम और बी टीम के साथ दो- दो मैच खेलने हैं। जूनियर टीम के साथ खेले दोनों मैच ड्रॉ रहे। पहले मैच में स्कोर 2-2 रहा। जबकि दूसरे मैच में स्कोर 1-1 रहा। अब बी टीम के साथ अगला मैच 25 जनवरी को खेलना है। जबकि भारतीय टीम को सीनियर टीम के साथ 26 जनवरी को पहला, 28 जनवरी को दूसरा, 30 जनवरी को तीसरा और अंतिम मैच 31 जनवरी को खेलना है।

हेड कोच ने कहा- आखिरी समय में हमें मैनेज करने की जरूरत है

इंडियन टीम के हेड कोच शोर्ड मारिजने ने कहा- आज हमने मजबूत अर्जेंटीना टीम के साथ खेला है। इस टीम में सीनियर टीम के कई खिलाड़ी हैं। अगले हफ्ते सीनियर टीम के साथ होने वाले चार मैचों की सीरीज से पहले यह प्रैक्टिस मैच है। हम आखिरी मिनट में गोल खा गए। हमें मैच में आखिरी समय में मैनेज करने की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन पर कोरोना सायाः पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 एंडी मरे टूर्नामेंट से बाहर, 6 बार के चैम्पियन फेडरर पहले ही हट चुके

सिडनी। टेनिस ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन 8 फरवरी से शुरू होने वाला है। उससे पहले ही टूर्नामेंट पर कोरोना का साया मंडराने लगा। 6 बार के चैम्पियन रोजर फेडरर के बाद अब पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 (2016 में) एंडी मरे भी टूर्नामेंट से हट गए हैं। ब्रिटेन के एंडी मरे 5 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल खेल चुके हैं। फिलहाल वे वर्ल्ड रैंकिंग में 123वें नंबर पर हैं।

मरे ने कहा, ''मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं कि मैं ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया आने में सक्षम नहीं हूं।'' दरअसल, एंडी मरे हाल ही में कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। इससे वे ठीक हो चुके हैं और अपना क्वारैंटाइन पीरियड भी पूरा कर चुके हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन के ऑर्गनाइजर्स की मानें तो एंडी मरे के लिए ऑस्ट्रेलिया आने और यहां क्वारैंटाइन पीरियड पूरा कर टूर्नामेंट खेलने का समय गंवा चुके हैं।

ऐसे में उन्हें बाहर करना ही विकल्प है। चार्टर्ड फ्लाइट में कुछ लोगों के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद 72 खिलाड़ियों को पहले ही क्वारैंटाइन में रखा गया है। यह सभी टूर्नामेंट में खेल सकेंगे। ऑर्गनाइजर्स ने ग्रैंड स्लैम के दौरान खिलाड़ियों को प्रैक्टिस के लिए सिर्फ कुछ समय के लिए रूम से निकलने की अनुमति दी है।

33 साल के ब्रिटिश प्लेयर ने अब तक 3 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। इसमें उन्होंने दो विंबलडन (2013 और 2016) और एक यूएस ओपन (2012) जीता है। मरे ने अब तक 46 सिंगल्स खिताब अपने नाम किए हैं।

फेडरर 21 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेलेंगे

सबसे ज्यादा 20 ग्रैंड स्लैम विजेता रोजर फेडरर 2021 के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगे। वे फिलहाल घुटने की 2 सर्जरी से उबर रहे हैं। उन्होंने साल 2000 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डेब्यू किया था। 21 साल में पहली बार वे ऑस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पा रहे हैं।

जोकोविच ने सबसे ज्यादा 8 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने सबसे ज्यादा 8 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब अपने नाम किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के रॉय इमरसन और फेडरर ने 6-6 बार ये खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलिया के जैक क्रॉफोर्ड और केन रोजवेल ने 4-4 बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता है।

चैपल ने की भारतीय युवाओं की तारीफ

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को बताया 'प्राइमरी स्कूल' का छात्र

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने अनुभवी खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की। टीम के युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुश्किल जीत को आसान बना दिया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने भारतीय युवाओं के मुकाबले ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को स्कूल का छात्र बताया है।

चैपल ने ऑस्ट्रेलिया के अखबार के कॉलम में लिखा, हमारे क्रिकेटर भारतीय टीम के युवाओं के मुकाबले थोड़े से कम हैं। हमें चुनौतीपूर्ण क्रिकेट अंडर-16 ग्रुप के बाद से मिलना शुरू होता है। इस वक्त तक तो भारतीय खिलाड़ी देश की टीम के प्लेइंग इलेवन में पहुंच जाते हैं। उनके पास एक काफी अच्छा ऑलराउंड शिक्षण की सुविधा है जो भारतीय टीम में खिलाड़ियों के जगह बनाने की राह तैयार करता है। इससे उनके सफलता की उम्मीद ज्यादा बढ़ जाती है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में खेले गए आखिरी टेस्ट में शुभमन गिल, शार्दुल ठाकुर, वॉशिंग्टन सुंदर, रिषभ पंत और मोहम्मद सिराज ने मिलकर मैच बदल दिया था। दूसरी पारी में 328 रन के लक्ष्य का पीछा कर 2-1 से सीरीज पर कब्जा जमाया था।

चैपल ने कहा, ÷मैं तो भारतीय टीम के युवाओं से ऑस्ट्रेलिया की टीम के युवाओं की तुलना से डरता हूं। विल पुकोव्स्की और कैमरून ग्रीन तो अनुभव के मामले में अभी भी प्राइमरी स्कूल में ही लगते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टीम में इतने फर्क पर चैपल ने खिलाड़ियों पर खर्च किए जाने वाले पैसे को जिम्मेदेरा माना। उन्होंने कहा, भारतीय क्रिकेट टीम को तैयार करने के लिए बीसीसीआइ करोड़ों की रकम लगाती है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसके मुकाबले शेफिल्ड शील्ड में 44 मिलनयन डॉलर ही खर्च करती है। दोनों देशों के बोर्ड के बीच किए जाने वाले खर्च का अंतर ही सबकुछ कुछ तय कर देता है यह भारतीय महासागर के समान है।

ब्रैड हॉग ने की भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज को लेकर भविष्यवाणी, कहा- 3-1 या 3-0 से जीतेगी टीम इंडिया

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिन गेंदबाज ब्रैड हॉग ने भारत और इंग्लैंड के बीच 5 फरवरी से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज को लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। ब्रैड हॉग ने कहा कि टीम इंडिया इस टेस्ट सीरीज को 3-0 या फिर 3-1 से अपने नाम करने में सफल रहेगी। भारतीय टीम हाल में ही ऑस्ट्रेलिया को उसकी ही सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में 2-1 से शिकस्त देकर लौटी है। विराट कोहली की गैरमौजूदगी में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और ब्रिसबेन के गाबा मैदान में ऑस्ट्रेलिया के 32 साल से अजेय रहने के रिकॉर्ड को भी चकनाचूर कर दिया।

इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले दो टेस्ट मैचों के लिए भारत और इंग्लैंड की टीम का ऐलान किया जा चुका है। भारत की तरफ से नियमित कप्तान विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की टीम में वापसी हुई है। वहीं, इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर, बेन स्टोक्स को आराम देने के बाद एक टीम में शामिल किया है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए ब्रैड हॉग ने कहा, मुझे लगता है कि इंडिया सीरीज को 3-0 या 3-1 से अपने नाम करने में सफल रहेगी। मेरा मानना है कि इंग्लैंड का दिन अहमदाबाद में तीसरे टेस्ट मैच में होगा। लेकिन, मुझे लगता है कि भारतीय टीम वापसी करेगी और अहमदाबाद में चौथे और आखिरी टेस्ट में जीत हासिल करेगी। भारत पक्का ही चेन्नई में होने वाले पहले दोनों टेस्ट मैचों को जीतने में सफल रहेगा। तो, 3-1 और भारत लॉर्ड्स में होने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में।

गाबा में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद भारत की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ऊपर पहुंच चुकी है, जबकि टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे नंबर पर खिसक गई है। भारत ने अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अनुसार, पांच टेस्ट सीरीज खेली हैं, जिसमें से टीम ने 9 मैच जीते हैं, जबकि तीन में हार का सामना किया और एक ड्रॉ रहा है। टीम इंडिया अभी 71.7 प्रतिशत के साथ टॉप पर कायम है।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर नहीं जाना चाहते थे कोच रवि शास्त्री, इस वजह से कर दिया था मना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच रवि शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाने से साफ मना कर दिया था। फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने बताया कि आखिरी वक्त पर ऑस्ट्रेलिया की तरफ से यह बताया गया था कि खिलाड़ियों को परिवार के लोगों को लाने की इजाजत नही दी जा सकती। इस बात पर कोच इतना भड़के उन्होंने दौरा रद करने की सिफारिश बीसीसीआइ से कर दी थी।

श्रीधर ने स्पिनर आर अश्विन से बात करते हुए बताया, क्या आप कुछ जानते हैं, जब हम दुबई में क्वारंटाइन किए गए थे इससे 48 घंटे पहले कि परिवार वालों को दौरे पर जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। तो ऑस्ट्रेलिया का दौरा शुरू होने से पहले ही उनकी तरफ से स्लेजिंग शुरू हो गई थी, उनकी मैदान के बाहर की स्लेजिंग। हमें रात के समय इसको लेकर फोन आया था।

जगहों के समय में भी तो अंतर होता है, तो हमें इसी लिहाज से दुबई, भारत और ऑस्ट्रेलिया के समय का ध्यान रखते हुए संपर्क बनाना था। हमें ऐसी खबर दी गई थी कि ऑस्ट्रेलिया की सरकार इस चीज को लेकर सख्त है और परिवार के लोग को आने की इजाजत नहीं है। ऐसे कुल 7 खिलाड़ी थे जो अपने परिवार और बच्चों को साथ लेकर आए थे। अब सवाल ये उठ गया था कि आखिर इस बात तो उन्हें कैसे बताया जाए।

इसके बाद इस मामले में रवि शस्त्री आए। उन्होंने एक जूम

मीटिंग की व्यवस्था की क्योंकि इस वक्त हम सभी अपने दुबई के कमरे में क्वारंटाइन थे। उन्होंने साफ कहा अगर परिवार के लोगों को जाने की इजाजत नहीं है तो हम भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर नहीं जा रहे। आप जो भी कर सकते हैं कीजिए फिलहाल तो हमारी तरफ से यही संदेश है।

उन्होंने यह भी कहा कि देखिए ऑस्ट्रेलिया को मेरे से ज्यादा अच्छे को कोई नहीं जान सकता मैं पिछले 40 सालों से वहां जा रहा हूं। उनके साथ किस तरह से मोल भाव किया जाता है और अपनी बात कैसे मनवाई जाती है मुझे बहुत अच्छे से पता है। उन्होंने इस बात को पक्का किया कि बीसीसीआइ वही सुने जो उनके द्वारा कहा जा रहा है। वीकेंड पर भी ऑस्ट्रेलिया की सरकार की तरफ से इस बारे में काम किया गया ताकि हम सभी को वहां आने की इजाजत मिल सके।

टीम के एक सदस्य का खुलासा, 36 रन पर ऑल आउट होने पर रात 12.30 बजे कोहली ने मैसेज कर पूछा था ये सवाल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को शर्मनाक हार मिली थी। एडिलेड में खेले गए पहले डे नाइट टेस्ट में टीम इंडिया दूसरी पारी में महज 36 रन पर ढेर हो गई थी। टीम के फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने बताया कि इसी रात कोहली ने उनको रात के साढे 12 बजे मैसेज किया था।

श्रीधर ने बताया, वो दिन जब हम एडिलेड टेस्ट में हारे थे रात के 12.30 बज रहे थे। विराट कोहली का मैसेज आया मेरे पास, आप कैसे हैं? मैं एकदम से चौंक गया, इस वक्त वो मुझे आखिर क्यों मैसेज कर रहे हैं। मैंने कहा मैं, रवि शास्त्री, भरत अरुण और विक्रम राठौर साथ में बैठे हैं। उन्होंने कहा मैं भी आप लोगों के साथ आ सकता हूं क्या। इस पर मैंने कहा हां क्यों नहीं बिल्कुल आ जाइए। भारतीय स्पिनर आर अश्विन से बात करते हुए भारत के फील्डिंग कोच आर श्रीधर ने बताया, वो हमारे साथ वहां आकर जुड़े और फिर हम सभी ने चीजों पर चर्चा करनी शुरू की। यहीं से मिशन मेलबर्न शुरू हुआ। शास्त्री ने एक बात पर ध्यान दिलाया, यह 36 रन के स्कोर को एक बैच की तरह से रख लो यह 36 रन ही वो चीज है जो टीम को शानदार बनाएगा।

श्रीधर ने बताया कि अगले मैच में उतरने से पहले टीम मैनेजमेंट कॉम्बिनेशन को लेकर संशय में थी तो कोहली ही वो थे जिन्होंने कहा कि गेंदबाजी को मजबूत कीजिए।

यह संदेश आप कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच रवि शास्त्री तक पहुंचा दीजिए।आगे उन्होंने बताया, हम इस बात को लेकर थोड़े संशय में थे फिर हमने इस बारे में बात करना शुरू किया कि अब क्या फैसला करना है। इसके बाद अगली सुबह विराट ने रहाणे को फोन किय और हमारा एक काफी अच्छा सेशन रहा था। 36 रन पर ऑलआउट होने के बाद आमतौर पर टीम बल्लेबाज को मजबूत करती है लेकिन रवि शास्त्री, कोहली और रहाणे ने गेंदबाजी को मजबूत करने का फैसला लिया। तभी हमने कोहली की जगह रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल किया और यह मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ।

गेंदबाजी कोच ने कहा, आखिरी टेस्ट हारने का खतरा उठाने के लिए तैयार थी भारतीय टीम

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली गई चार मैचों की टेस्ट सीरीज बेहद यादगार रही। पहला मैच हारने के बाद टीम इंडिया ने वापसी की और सीरीज को 2-1 से जीता। ब्रिसबेन में खेले गए आखिरी मुकाबले से पहले भारत के पास कोई भी अनुभवी गेंदबाज नहीं था फिर भी टीम ने जीत दर्ज की। गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने बताया कि वह इस मैच को हारने का जोखिम उठाने के लिए भी तैयार थे।

भरत ने बताया कि हमने बाएं हाथ के गेंदबाज ऑफ स्पिनर वॉशिंग्टन सुंदर के साथ मैच में उतरने का फैसला लिया। उनके पास फर्स्टक्लास का ज्यादा

अनुभव नहीं था और पिछले तीन साल से उन्होंने कोई मैच भी नहीं खेला था। आखिरी मुकाबले में एक अतिरिक्त बल्लेबाज के साथ खेलने का फैसला लिया गया था। वैसे हम सभी ने यह भी सोचा कि यह नकारात्मक फैसला भी होगा। इसके बाद हम सभी ने सोचा की 5 गेंदबाज के साथ खेलने की रणनीति हमारे लिए काम आई है तो इसी चीज पर टिके रहा जाए। सुंदर ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की। एक बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के नाते वह अच्छे रहे और हमने सोचा कि हमें सकारात्मक सोचना चाहिए। हमने यह पांच गेंदबाजों की थयोरी तीन साल पहले इजात की थी क्योंकि विदेशी कंडीशन में टीम को आउट करने के लिए आपके पास काफी सारे गेंदबाज होने चाहिए। रवि और कोहली इस बात को कहते हैं कि हमें विदेश में सफलता हासिल करने के लिए पांच गेंदबाज तो चाहिए।

वैसे कई बार आप मैच हारते भी हैं लेकिन टीम के लिए निडर और ईमानदार होकर खेलना है। आगे उन्होंने कहा, हम अच्छी चीजों को आगे लेकर जाना चाहते हैं, हम डरते नहीं हैं और ना ही मैच को हार जाने का गम सताता है। हम कुछ मैच हार जरूर हारते हैं लेकिन उससे सीख भी मिलती है। खेल में निराशा मिलती है लेकिन आप इससे जैसे उबर कर आते हैं वो असली खिलाड़ी बनाता है। यही वो एक चीज है जिसको लेकर हम सभी चलते हैं।

आईपीएल 2021 ट्रेड विंडोः हर्षल की 3 साल बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में वापसी, सैम्स को भी आरसीबी ने दिल्ली से ट्रेड किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन में ट्रेड विंडो 4 फरवरी तक चलेगी। इसी बीच दिल्ली कैपिटल्स के 2 ऑलराउंडर, हर्षल पटेल और डेनियल सैम्स को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कैश डील में ट्रेड कर लिया है। हर्षल पहले भी बेंगलुरु से खेल चुके हैं। 2018 में दिल्ली ने उन्हें खरीदा था। वहीं, सैम्स 13वें सीजन में पहली बार लीग से जुड़े थे। अब तक 3 खिलाड़ी ट्रेड हो चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने भी रॉबिन उथप्पा को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड किया था।

13वें सीजन में सैम्स ने कुल 3 मैच खेले थे

UAE में खेले गए IPL के 13वें सीजन में सैम्स ने दिल्ली की ओर से 3 मैच खेले थे। इसमें उन्होंने शून्य रन बनाए। वहीं, इतने ही मैचो में उन्होंने 12 ओवर फेंके और 9.50 की इकोनॉमी से रन दिए थे। हालांकि, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग में वे शानदार फॉर्म में दिखे। सिडनी थंडर से खेलते हुए 9 मैच में 49.75 की औसत से 199 रन बनाए। इसके साथ ही 8.58 की इकोनॉमी से 10 विकेट भी लिए। बिग बैश लीग के 2019-20 सीजन में वे टूर्नामेंट के हाईएस्ट विकेट टेकर रहे थे। इसके बाद दिल्ली ने उन्हें जेसन रॉय के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया था। रॉय ने निजी कारणों से 2020 IPL नहीं खेला था। सैम्स का बेस प्राइज 20 लाख रुपए था।

हर्षल IPL में कुल 8 सीजन खेल चुके

हर्षल पटेल 2012 से लेकर अब तक कुल 8 सीजन खेल चुके हैं। इसमें उन्होंने 48 मैचों में 8.74 की इकोनॉमी से 46 विकेट लिए। साथ ही 9.84 की औसत से 128 रन बनाए। हर्षल पटेल को दिल्ली कैपिटल्स ने 2018 में

उनके बेस प्राइज 20 लाख रुपए में खरीदा था। 2020 IPL में उन्होंने 5 मैच में 3 विकेट लिए। इतने ही (5) मैचों में कुल 21 रन बनाए। इससे पहले वे 2012-2017 तक बेंगलुरु की टीम में ही थे। अब बेंगलुरु ने उन्हें एकबार फिर अपनी टीम में शामिल किया है।

उथप्पा को चेन्नई ने राजस्थान से ट्रेड किया

चेन्नई सुपर किंग्स ने भी राजस्थान रॉयल्स से रॉबिन उथप्पा को कैश-डील में ट्रेड किया। उथप्पा अब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेलते दिखाई देंगे। 13वें सीजन में 35 साल के उथप्पा ने 12 मैच खेलकर 16.33 की औसत से 196 रन बनाए थे। ओवरऑल उथप्पा ने लीग में अब तक 189 मैच खेले, जिसमें 4607 रन बनाए।

18 फरवरी को हो सकता है मिनी ऑक्शन

इस बार IPL 8 ही टीमों के साथ होगा। इसके लिए नीलामी 18 फरवरी को हो सकती है। इस साल मिनी ऑक्शन ही होगा। 2022 के सीजन में 2 टीमें बढ़ेंगी। अगले साल मेगा ऑक्शन हो सकता है।

एक टीम में मैक्सिमम और मिनिमम कितने खिलाड़ी होंगे?

सभी फ्रेंचाइजी अपनी टीम में मैक्सिमम 25 और मिनिमम 18 खिलाड़ी रख सकती हैं। किसी भी टीम में ज्यादा से ज्यादा 8 विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, युजवेंद्र चहल, देवदत्त पडिक्कल, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी, एडम जम्पा, शाहबाज अहमद, जोश फिलिप, केन रिचर्डसन, पवन देशपांडे।

ट्रेड से RCB से जुड़े : डेनियल सैम्स, हर्षल पटेल

दिल्ली कैपिटल्सः शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, अमित मिश्रा, ईशांत शर्मा, रविचंद्रन अश्विन, ललित यादव, आवेश खान, प्रवीण दुबे, कगिसो रबाडा, एनरिच नॉर्तजे, मार्कस

नवदीप सैनी ने किया खुलासा, चोटिल होने के बावजूद गाबा टेस्ट की दूसरी पारी में की थी गेंदबाजी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट मैच में अपना टेस्ट डेब्यू करने वाले नवदीप सैनी के लिए यह दौरा कुछ खास नहीं रहा। अपने करियर के पहले टेस्ट में तीन विकेट चटकाने के बाद नवदीप सैनी को ब्रिसबेन में खेले गए चौथे टेस्ट मैच के लिए भी टीम में शामिल किया गया। हालांकि, गाबा में सैनी पहली पारी के दौरान ही चोटिल हो गए और ज्यादा गेंदबाजी नहीं कर सके। ग्रोइन इंजरी के चलते सैनी पहली पारी में दस ओवर भी नहीं फेंक सके थे, लेकिन सैनी कंगारू टीम की दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए दिखाई दिए। इस बीच, नवदीप सैनी ने बताया कि दूसरी पारी में उन्होंने चोटिल होने के बावजूद गेंदबाजी की।

लंबे इंतजार के बाद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में अपना डेब्यू करने वाले 28 वर्षीय नवदीप सैनी ने कहा, अजिंक्य भैया (अजिंक्य रहाणे) ने मुझसे पूछा कि क्या चोट के बावजूद गेंदबाजी कर सकता हूं, मुझे तो हां ही कहना ही था। मैं ठीक था, लेकिन अचानक चोट लग गई। मैंने सोचा कि इतने अहम मैच में चोट क्यों लगी जब इतने साल बाद खेलने का मौका मिला था। मैं बस यही चाहता था कि चोट के बावजूद खेल सकूं। इस तरह का मौका शायद दोबारा कभी ना मिले। कप्तान ने पूछा कि क्या मैं खेल सकूंगा। मुझे दर्द था था, लेकिन मैंने कहा कि मैं जो कर सकूंगा, करूंगा। नवदीप सैनी ने दूसरी पारी में पांच ओवर गेंदबाजी की थी, लेकिन वह कोई भी विकेट नहीं निकाल सके थे। भारत के लिए दस टी20 और सात वनडे मैच खेल चुके सैनी इंग्लैंड के खिलाफ पांच फरवरी से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के पहले दो मैचों के लिए भारतीय टीम में नहीं हैं। अपने चार टेस्ट विकेटों में से सबसे कीमती के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, सभी विकेट खास हैं, लेकिन पहला विकेट कभी नहीं भूल सकता। जब तक वह नहीं मिल जाता, आप पहले विकेट के बारे में ही सोचते रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट खेलने को यादगार अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा , ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर मिलने वाले उछाल से रोमांचित होना स्वाभाविक है । ऐसे में शॉर्ट गेंद डालने का लालच आता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट सिर्फ इतना ही नहीं है । इसमें संयम रखकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है । उन्होंने कहा , ऑस्ट्रेलिया में अच्छे प्रदर्शन के लिये मानसिक रूप से मजबूत होना जरूरी है। वे अंत तक हार नहीं मानते । भारतीय टीम प्रबंधन काफी सहयोगी था जिसमें कप्तान और रोहित भैया (रोहित शर्मा) शामिल थे ।